छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 83 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 26 मार्च 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सिर की त्वचा एवं रक्त वाहिकाओं से चिपके एक किलो वजनी सिस्ट से युवक था परेशान

मेडिकल कॉलेज की सर्जिकल टीम ने सर्जरी करके पीड़ित को दी राहत

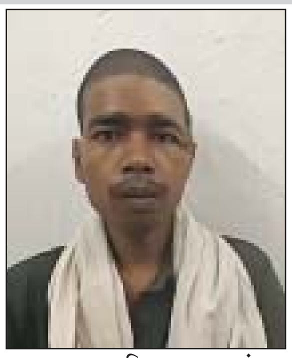

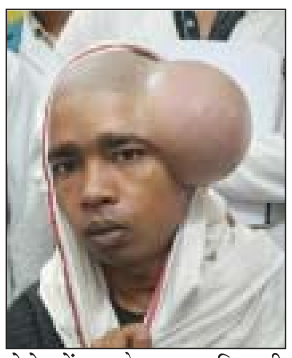

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अंबिकापुर में चिकित्सकों ने एक युवा मरीज के सिर (स्कैल्प) में पाए गए एक किलो वजनी डर्माइड सिस्ट का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया। चिकित्सकों का कहना है कि इस प्रकार का बड़े आकार का सिस्ट अपेक्षाकृत दुर्लभ होता है।

जानकारी के मुताबिक सरगुजा जिला के दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम करजी के अनिल कुमार 24 वर्ष को सिर में धीरे-धीरे बढ़ रहे सूजन की शिकायत पर स्वजन मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इसे चिकित्सकों ने बीते 06 मार्च को भर्ती कर लिया था। समय के साथ सूजन का आकार बढ़ते ही जा रहा था और कॉस्मेटिक समस्या की स्थिति बन रही थी। आवश्यक जांच एवं परीक्षण के पश्चात सामने आया कि युवक के सिर में डर्माइड सिस्ट बढ़ते रूप में आकार ले रहा है। भर्ती के बाद मरीज का लगभग एक सप्ताह तक विस्तृत मूल्यांकन करके ऑपरेशन के पूर्व की तैयारी करने के बाद शल्य चिकित्सा की योजना बनाई गई। 11.03.2026 को जनरल एनेस्थीसिया से सर्जरी की गई। ऑपरेशन में लगभग 15 गुना 15 सेंटीमीटर आकार का सिस्ट सामने आया, जिसमें सेबेशियस एवं केराटिनस पदार्थ उपस्थित था, जो सिर की त्वचा एवं प्रमुख रक्त वाहिकाओं से चिपका हुआ था। डॉ. पी.आर. शिवहरे ने बताया कि सर्जरी के दौरान पूरी सावधानी बरती गई और सिस्ट को उसके कैप्सूल सहित पूर्णतः निकाला गया। ऐसे में इसके पुनरावृत्ति की संभावना न्यून रहती है। बड़े आकार एवं प्रमुख रक्त वाहिकाओं से चिपके रहने के बावजूद ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ऑपरेशन के बाद मरीज को चिकित्सकों ने अपनी निगरानी में रखा था। मरीज की स्थिति स्थिर रहने और संतोषजनक स्थिति देखने के बाद 17 मार्च को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया।

संतोषजनक रहा मरीज का कॉस्मेटिक परिणाम

डॉ. शिवहरे ने बताया कि मरीज का कॉस्मेटिक परिणाम संतोषजनक रहा, कोई जटिलता जैसी स्थिति नहीं बनी। यह जटिल केस शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में उपलब्ध उन्नत शल्य चिकित्सा सुविधाओं एवं विशेषज्ञता को सामने लाने के साथ समय पर उपचार के महत्व को रेखांकित कर रहा है। मरीज को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सा सुविधा पूरी तरह से निःशुल्क मिली, जिससे पीड़ित के स्वजन पर आर्थिक भार की नौबत भी नहीं बनी।

डर्माइड सिस्ट है जन्मजात सौम्य विकार

सर्जिकल टीम ने बताया कि डर्मोइड सिस्ट एक जन्मजात सौम्य (बेनाइन) विकार है, जो भ्रूणीय विकास के दौरान त्वचा के तत्वों के फंस जाने से बनता है। इसमें प्रायः बाल, सेबेशियस ग्रंथियां एवं केराटिनस पदार्थ पाए जाते हैं। यह अधिकतर सिर एवं गर्दन क्षेत्र (विशेषकर स्कैल्प एवं मिडलाइन) में पाया जाता है। यदि सिस्ट को कैप्सूल सहित पूर्णतः निकाला जाए तो पुनरावृत्ति की संभावना अत्यंत कम होती है, जबकि अधूरा निष्कासन होने पर यह अंदर ही अंदर बढ़ सकता है। डर्मोइड सिस्ट सामान्यतः छोटे होते हैं और समय पर पहचान में आ जाते हैं, लेकिन अनदेखी के कारण ये बड़े आकार तक पहुंच सकते हैं। ऐसे मामलों में पूर्ण शल्य चिकित्सा ही सर्वोत्तम उपचार है।

सर्जिकल टीम में ये रहे शामिल

सफल सर्जरी अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या के मार्गदर्शन में शल्य चिकित्सा विभाग की टीम में शामिल डॉ. पीआर शिवहरे, डॉ. अभिजीत एस. दीवान एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. शुभम बंसल असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. अनीश पांडे सीनियर रेजिडेंट एवं डॉ. श्वेता कलवानी पीजी रेजिडेंट ने किया। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. राकेश निगम विभागाध्यक्ष, डॉ. दिव्यानंद मिश्रा, डॉ. हर्षा एवं डॉ. अभिजीत त्रिपाठी शामिल रहे।

सीजीपीएससी-2021 के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने सुको ने दिए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार को बड़ा झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीजीपीएससी-2021 के चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति पर रोक लगाने संबंधी याचिका खारिज कर दी है। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चयनित उम्मीदवारों को ज्वाइनिंग देने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद हाई कोर्ट के फैसले को सही ठहराया। राज्य सरकार की ओर से तुषार मेहता सहित अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दलील दी कि मामले में सीबीआई जांच जारी है, इसलिए नियुक्तियों को रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि अंतिम निर्णय जांच पूरी होने के बाद ही लिया जाए।

जांच में केवल 5 का ही नाम

चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वकीलों ने तर्क दिया कि सीबीआई अपनी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है और 171 में से केवल 5 अभ्यर्थियों के नाम ही जांच में आए हैं। 125 अभ्यर्थियों को पहले ही ज्वाइनिंग दी जा चुकी है, ऐसे में बाकी को रोके रखना उचित नहीं है।

अभ्यर्थियों को बड़ी राहत

इससे पहले सिंगल बेंच और फिर डिवीजन बेंच ने भी राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी थी। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की थी, जिसे अब खारिज कर दिया गया है। इस फैसले के बाद लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है।

आईजी ने दोषमुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा दौरान साक्ष्य संकलन में सावधानी बरतने की दी हिदायत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने पुलिस कोआडिनेशन सेंटर, सरगुजा भवन में रेंज स्तरीय दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा विवेचना के दौरान होने वाली त्रुटियों में सुधार हेतु इकाई स्तर पर अभियोजन अधिकारियों के साथ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाए। पुराने लंबित प्रकरणों का इकाई स्तर पर प्रत्येक माह होने वाले मंगलवार की बैठक के दौरान समन्वय स्थापित का शत-प्रतिशत समीक्षा हेतु उपलब्ध कराया जाए। माह-नवम्बर एवं दिसम्बर के सेशन कोर्ट के 246 प्रकरण एवं लोअर कोर्ट के 571, कुल 817 दोषमुक्ति प्रकरणों पर इस दौरान जिलेवार विशेष चर्चा की गई।

आईजी ने विशेष रूप से उन प्रकरणों पर चर्चा कर गंभीरता से कार्रवाई करने कहा, जिसमें न्यायालय में अग्रिम जमानत निरस्त होने के बाद भी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके अलावा गंभीर प्रकरणों में विवेचकों द्वारा विवेचना में किए जाने वाले त्रुटियों को दूर करने हेतु नवीन कानून के तहत भौतिक साक्ष्यों का फोटोग्राफी, विडियोग्राफी कर साक्ष्यों को सावधानी से संकलित करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होनें रेंज के समस्त पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि यदि नवीन कानून के तहत किसी प्रकरण में विवेचना के दौरान कोई परेशानी हो रही हो तो अपने जिले के अभियोजन अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर उन प्रकरणों का निकाल करना सुनिश्चित करें। पुराने लंबित प्रकरणों का इकाई स्तर पर प्रत्येक माह मंगलवार की होने वाले बैठक दौरान चर्चा कर शत-प्रतिशत समीक्षा हेतु उपलब्ध कराया जाए। गंभीर प्रकरणों में एफआईआर के बाद नवीन कानून के तहत समयावधि में अनिवार्य रूप से चालान पेश करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रार्थी/पीड़िता जिनका न्यायालय में 183 बीएनएसएस के अंतर्गत कथन लिया गया है, अगर न्यायालय में ट्रायल के दौरान वे पक्षद्रोही होते हैं तो उनके विरूद्ध धारा 383 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई हेतु लोक अभियोजक के माध्यम से न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करने कहा गया। आईजी ने संभाग के जिलों में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु अपराधिक संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी नजर बनाए रखने और संदेहियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। देर रात तक थाना क्षेत्र में चलने वाले होटल, ढाबा, दुकानों को समय पर बंद कराने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा रोड पर स्टंट बाजी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रेंज स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर प्रशांत ठाकुर, सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल, जशपुर लाल उम्मेद सिंह, पुलिस अधीक्षक कोरिया रवि कुर्रे, बलरामपुर वैभव वैंकर रमनलाल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर रत्ना सिंह सहित जिले के लोक अभियोजन अधिकारी एवं कार्यालय के स्टॉफ उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षकों से अन्य बिंदुओं पर की गई चर्चा

पुलिस महानिरीक्षक ने सरगुजा रेंज के समस्त जिलों के कानून व्यवस्था संबधी एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों साथ गौ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई व प्रकरण में संलिप्त लोगों के खिलाफ की गई कार्रवाई के संबंध में समीक्षा की गई। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में उन्होंने कहा कि जिलों के राजपत्रित अधिकारियों द्वारा लीड करते हुए स्वयं सर्च कार्रवाई कराया जाए व एनडीपीएस की धाराओं का प्रयोग करते हुए संपत्ति कुर्की, जप्ती की कार्रवाई करने तथा फाइनेंशियल एवं एंड तो एंड इन्वेस्टिगेशन कर अंतरराज्य गैंग तथा कोरियर कंपनियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा बाहरी राज्यों से आ रही प्रतिबंधित दवाओं के सप्लाई चैन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने व अपराधियों के विरुद्ध पीटा एनडीपीएस की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार गौ तस्करी करने वालों के खिलाफ एंड टू एंड तक कार्रवाई और इसमें प्रयुक्त जप्त वाहनों के राजसात की कार्रवाई पूर्ण करने संबंधित इकाई प्रमुखों को निर्देशित किया गया।

दिल्ली और कोलकाता के लिए 30 मार्च से शुरू होगी सीधी विमान सेवा

कलेक्टर ने मां महामाया एयरपोर्ट का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उत्तर छत्तीसगढ़ की एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। आगामी 30 मार्च से अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से दिल्ली और कोलकाता के लिए सीधी विमान सेवा का संचालन प्रारंभ होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सेवा के शुभारंभ की तैयारियों का जायजा लेने कलेक्टर अजीत वसंत ने एयरपोर्ट का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक एवं एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने एयरपोर्ट टर्मिनल, रनवे, सुरक्षा जांच क्षेत्र और यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उड़ानों के प्रारंभ होने से पूर्व सभी तकनीकी और प्रबंधकीय औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जाएं। यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु एयरपोर्ट तक पहुंच मार्ग और पार्किंग व्यवस्था को भी चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

एलायंस एयर का फ्लाइट सप्ताह में 4 दिन

विमानन कंपनी एलायंस एयर द्वारा इन उड़ानों का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट बुकिंग आधिकारिक वेबसाइट पर प्रारंभ हो चुकी है। दिल्ली रूट सोमवार और बुधवार निर्धारित है। सोमवार को फ्लाइट नं. 91613 दिल्ली से बिलासपुर होते हुए सुबह 11.35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। वापसी में दोपहर 12 बजे अंबिकापुर से सीधे दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी। बुधवार को फ्लाइट नं. 91614 दिल्ली से सुबह 10.25 बजे अंबिकापुर आगमन और दोपहर 12 बजे बिलासपुर होते हुए दिल्ली प्रस्थान करेगी। कोलकाता रूट के लिए गुरुवार और शनिवार दिन निर्धारित किया गया है। शनिवार को फ्लाइट नं. 91763 कोलकाता से बिलासपुर होते हुए सुबह 10 बजे अंबिकापुर आगमन और 10.25 बजे सीधे कोलकाता प्रस्थान करेगी। गुरुवार को फ्लाइट नं. 91765 का कोलकाता से सुबह 08.50 बजे अंबिकापुर आगमन और 09.15 बजे बिलासपुर होते हुए कोलकाता प्रस्थान होगा।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगी नई गति

अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता जैसे महानगरों से सीधा जुड़ाव सरगुजा संभाग के बड़ी उपलब्धि है। इससे पर्यटन के क्षेत्र में मैनपाट और आसपास के पर्यटन स्थलों पर राष्ट्रीय स्तर के सैलानियों का आगमन बढ़ेगा। साथ ही स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों को बड़े बाजारों तक सीधी पहुंच होगी और शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए महानगरों की यात्रा करने वाले नागरिकों का समय बचेगा।

पसंद के लड़की से शादी करने की जिद्द में टॉवर में चढ़कर कूदने की देने लगा धमकी

स्वजनों ने हामी भरी तो 40 फिट की ऊंचाई से उतरा, 4 घंटे से परेशान पुलिस की गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाने से करीब 200 मीटर दूर एक युवक अपनी पसंद की लड़की से शादी कराने की जिद्द पर मोबाइल टॉवर में चढ़ गया, और 4 घंटे तक टॉवर में ही बैठे रहा। युवक का कहना था कि अगर उसकी शादी मनपसंद लड़की से नहीं कराई गई तो वह टॉवर से नीचे कूद जाएगा। युवक के द्वारा दी जा रही धमकी के बाद मौके पर मौजूद लोगों की आंखों के सामने फिल्म शोले का परिदृश्य घूम गया, लेकिन इस मामले में लड़की उक्त युवक से शादी करने के लिए तैयार नहीं थी। युवती की ओर से युवक के विरूद्ध आए दिन बेवजह परेशान करने और छेड़छाड़ जैसी रिपोर्ट भी थाने में दर्ज कराई गई थी। युवक सुरक्षित नीचे उतरे, इसके लिए पसंद की युवती से शादी कराने का प्रलोभन उसी के स्वजन दिए, और जैसे ही वह टॉवर से नीचे उतरा, घंटों परेशान रही पुलिस उसे हिरासत में ले ली। घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के छीरोपारा का योगेश यादव (27 वर्ष) मंगलवार की सुबह मोबाइल टॉवर में करीब 40 फीट की ऊंचाई पर जाकर बैठ गया और कहा कि अगर उसकी शादी मनपसंद लड़की से नहीं कराई गई तो वह टॉवर से कूद जाएगा। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे स्वजन और पुलिस कर्मियों ने काफी देर तक युवक को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह टॉवर से उतरने को तैयार नहीं हुआ। सभी की ऊपर ताकते गर्दन दुख रही थी और युवक की हरकत पर गुस्सा भी आ रहा था, लेकिन किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने, इसे देखते हुए सभी उससे नीचे उतरने के लिए मान-मनौव्वल करने में लगे थे। करीब 4 घंटे हो चुके थे, युवक किसी की बात मानने को तैयार नहीं था। करीब 4 घंटे बाद स्वजन ने जब पसंद की लड़की से शादी कराने सहमति जताई, तो युवक खुद ही टॉवर से नीचे उतरकर आ गया। बताया जा रहा है कि युवक का एक युवती से कथित रूप से प्रेम संबंध था। युवक पहले भी उससे शादी करने की जिद अपने स्वजन के समक्ष कर चुका था। इधर युवती के इन्कार करने से नाराज युवक टॉवर पर चढ़ गया, जिससे टॉवर के आसपास लोगों का मजमा जमा हो गया।

टॉवर में चढ़े युवक के खिलाफ थाने में बेवजह परेशान करने और छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। युवक को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया गया है।

प्रदीप जायसवाल, थाना प्रभारी लुण्ड्रा

पीएम आवास योजना में 145 हितग्राहियों को मिला आशियाना, लॉटरी से मकानों का आवंटन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर पालिक निगम अंबिकापुर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत सुभाषनगर स्थित परियोजना में 145 हितग्राहियों को लॉटरी पद्धति के माध्यम से मकानों का आवंटन किया गया। इस अवसर पर हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी और संतोष देखने को मिला। आयुक्त डी.एन. कश्यप के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में 'मोर मकान मोर आस' घटक के अंतर्गत यह आवंटन प्रक्रिया साइट पर ही पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत कुल 493 आवासों की स्वीकृति शासन से प्राप्त हुई थी।

मुख्यमंत्री ने सरगुजा के भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में अंतरित की 3.15 करोड़ से अधिक की राशि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश के भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तीकरण और सर्वांगीण विकास की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत सरगुजा जिले के हजारों श्रमिकों के बैंक खातों में सीधे राशि का अंतरण किया। जिले के कुल 3,158 हितग्राहियों के खातों में 3 करोड़ 15 लाख 80 हजार रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से जमा की गई।

सरगुजा जिले के विभिन्न तहसीलों अंतर्गत आने वाले 2,893 ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में राशि भेजी गई। वहीं नगर पंचायत लखनपुर एवं सीतापुर के 265 पात्र श्रमिक इस योजना से लाभान्वित हुए। जिले के कुल 3,158 लाभार्थियों को कुल 3 करोड़ 15 लाख 80 हजार रुपये का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया गया है। सीतापुर में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले के हजारों श्रमिक परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। इस वित्तीय सहायता से न केवल इन परिवारों की दैनिक आवश्यकताएं पूरी होंगी, बल्कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में भी अग्रसर होंगे। जिला प्रशासन द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए पात्र हितग्राहियों का चयन सुनिश्चित किया गया था, ताकि शासन की इस योजना का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पहुंच सके।

संजय वन वाटिका में 15 हिरणों की मौत, कांग्रेस ने जांच कमेटी गठित किया

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत करेंगे जांच दल का नेतृत्व

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संजय वन वाटिका में 15 हिरणों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की जांच हेतु एक जांच कमेटी का गठन किया है। पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के नेतृत्व में गठित 6 सदस्यों के जांच दल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एवं निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा, जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के महामंत्री हेमंत तिवारी और अनूप मेहता को शामिल किया गया है। संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले से हिरणों की मृत्यु को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि विष्णुदेव सरकार जंगल के साथ ही जंगली जीव-जंतुओं की रक्षा में विफल रही है। उन्होंने कहा था कि बड़े अधिकारियों को जवाबदेही से बचाने के लिए छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश उपरांत बुधवार को जांच दल ने बैठक करके जांच के बिंदु निर्धारित कर लिए हैं। शीघ्र ही जांच दल मौके पर जाकर संबंधित पक्षों से मुलाकात करेगा और अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेगा।

बिश्रामपुर में भाजपा पार्षदों की कथित दबंगई से इंजीनियर आहत, करोड़ों के विकास कार्य ठप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर में विकास कार्यों को लेकर उठा विवाद अब बड़ा प्रशासनिक संकट बन गया है। दो भाजपा पार्षदों पर नगर पंचायत के इंजीनियर के साथ गाली-गलौज और धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस घटना से आहत इंजीनियर गौरव अग्रवाल ने लंबी छुट्टी ले ली है, जिससे पूरे निकाय में चल रहे करोड़ों रुपये के निर्माण और विकास कार्यों पर ब्रेक लग गया है। वहीं दूसरी ओर दोनों पार्षदों ने नगर पंचायत बिश्रामपुर प्रबंधन पर विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाया है। मामला 18 मार्च का बताया जा रहा है। आरोप है कि वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद अमरेश कुमार और वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद रामजीत यादव उर्फ पिंटू नगर पंचायत कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने इंजीनियर गौरव अग्रवाल से कार्यों के वितरण को लेकर बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पार्षदों ने कथित तौर पर इंजीनियर के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और गाली-

गलौज पर उतर आए। आरोप है कि उन्होंने बाहर निकलने पर मारपीट की धमकी भी दी। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला। वार्ड नंबर 15 के पार्षद रामजीत यादव उर्फ पिंटू यादव का कहना है कि उनके वार्ड में नपं प्रबंधन द्वारा भेदभाव किया गया। मिनी स्टेडियम में स्वीकृत कुछ कार्य को हमारे वार्ड का कार्य बताकर छलावा का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि एक करोड़ रुपए जो शासन से प्राप्त होंगे, उसमें सभी वार्डो को एक समान राशि जारी करके विकास कार्य को पूरा करना है लेकिन जब कार्ययोजना बनाकर टेंडर की प्रक्रिया की गई तो हमारे वार्ड में कोई कार्य नहीं दिया गया। इस बात को जब पूछने गए तब इंजीनियर द्वारा उचित जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि पहले वार्ड नंबर 3, 4, 15 के राशि में कुछ राशि की कटौती करके मिनी स्टेडियम के कार्य में लगाने की सहमति तीनों पार्षद में आपसी रूप से बनी थी और जो शेष राशि बचता उससे वार्ड नंबर 15 में सीसी सड़क मरम्मत व शेड निर्माण का कार्य कराने की मंशा थी, लेकिन इंजीनियर की मनमानी से काम नहीं बन सका। घटना के बाद इंजीनियर गौरव अग्रवाल ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। हालांकि अब तक इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर समझाइश देकर मामला शांत कराने की कोशिश की है।घटना से मानसिक रूप से आहत इंजीनियर ने नगर पंचायत सीएमओ को आवेदन देकर लंबी छुट्टी ले ली है। बताया जा रहा है कि उन्होंने वापस न आने तक की बात कही है। इसका सीधा असर नगर पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों पर पड़ा है, जो फिलहाल ठप हो रहे हैं। नगर पंचायत बिश्रामपुर सीएमओ सुशील तिवारी ने पूरे मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि इंजीनियर के अवकाश पर जाने की सूचना उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। साथ ही कार्यों को जारी रखने के लिए दूसरे अभियंता की मांग की गई है।

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के तहत हितग्राहियों को मिली राशि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के पात्र हितग्राही, गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थितजन वर्चुअल माध्यम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के लाइव प्रसारण से जुड़े। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में प्रति हितग्राही 10 हजार रुपए की राशि का सीधा अंतरण किया। सूरजपुर जिले में ग्रामीण एवं नगरीय निकायों को मिलाकर कुल 4195 पात्र हितग्राही इस योजना से लाभान्वित हुए। इस दौरान भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनमत बछाड़, राजेश यादव, शीतीकांत स्वाई, कृष्णा गोयल बल्लू, श्यामू साहू के

भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, संदीप अग्रवाल, नगर पंचायत बिश्रामपुर अध्यक्ष निर्मला यादव, उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, सुरजपुर जनपद अलावा लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा व अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन नगर पंचायत शिवनंदनपुर सुनील कुमार सिन्हा ने किया।

स्व-सहायता समूह से बसंती बनीं लखपति दीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम धनगांव की निवासी श्रीमती बसंती सरकार ने लखपति दीदी के रूप में पहचान बनाई है। सीमित संसाधनों और आर्थिक

तंगी के बीच जीवन यापन करने वाली बसंती ने विपरीत परिस्थितियों हार नहीं मानी और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा देने का निर्णय लिया।

वे बताती है कि शुरुआती दौर में आर्थिक संकट, खेती के पारंपरिक तरीकों और संसाधनों की कमी जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आय के सीमित साधनों के कारण उन्हें कई बार कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ रहा था लेकिन अब समूह से जुड़ने के बाद उन्हें न सिर्फ आर्थिक सहयोग मिला, बल्कि नई तकनीकों और आजीविका के अवसरों की जानकारी भी मिली। उन्होंने समूह से ऋण लेकर उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाया और अपनी मेहनत से 65 क्विंटल धान का उत्पादन किया। इसके साथ ही मक्का की खेती से लगभग 1 लाख रुपये तथा खीरे की फसल से 2 लाख रुपये की आय अर्जित की। श्रीमती बसंती ने मछली पालन भी शुरू किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त 10 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। विभिन्न आय स्रोतों के माध्यम से उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया और लखपति दीदी बनी। श्रीमती बसंती क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभर रही है। जो आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

निधन : कीर्तन प्रसाद विश्वकर्मा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। 44 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवा देने वाले वरिष्ठ शिक्षक कीर्तन प्रसाद विश्वकर्मा का बुधवार की सुबह 6 बजे मेकाहारा अस्पताल रायपुर में इलाज के दौरान निधन हो गया।

वे पिछले कई महीनों से स्वास्थ्य संबंधित परेशानी से जूझ रहे थे। वे प्राथमिक शाला बिश्रामपुर से अपनी सेवाकाल प्रारंभ किए थे और हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी विषयों पर उनकी जबरदस्त पकड़ थी। क्षेत्र में लोग उन्हें डेड़िया गुरु जी के नाम से जानते थे। उनके शव को रायपुर से विश्रामपुर लेकर परिजन देर शाम लेकर आए। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार दोपहर 12 बजे रिहंद नदी तट पर किया जाएगा। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आवेदन शुरू

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आदिवासी विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। जारी सूचना के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 17 अप्रैल 2026 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 तक तथा जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 22 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा।

विद्यार्थी 1 मई से 9 मई 2026 के बीच अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग ने जानकारी दी है कि प्रयास आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं अन्य परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। ऑनलाइन आवेदन एवं विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट https://eklavya. cg.nic.in/ PRSMS/ Student Admission- Detail पर विजिट कर सकते हैं। साथ ही कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, बलरामपुर से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रदेशभर में 9,763 न्योता भोज आयोजित, 1.83 लाख से अधिक बच्चे हुए लाभान्वित

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आंगनबाड़ी केन्द्रों में संचालित 'न्योता भोज' कार्यक्रम प्रदेश में पोषण, शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप शुरू की गई इस पहल के तहत अब समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

राज्य स्तर पर जनवरी से फरवरी 2026 तक कुल 9,763 न्योता भोज आयोजनों के माध्यम से 1,83,927 बच्चों को लाभान्वित किया गया है, जो इस योजना की व्यापक सफलता को दर्शाता है।

जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो बिलासपुर जिले में सर्वाधिक 884 आयोजन हुए, जिनमें 18,703 बच्चे लाभान्वित हुए। वहीं कोरबा में 720 आयोजनों के माध्यम से 13,944 बच्चों, रायगढ़ में 690 आयोजनों से 9,835 बच्चों तथा कांकेर में 636 आयोजनों से 7,915 बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया।

इसी प्रकार धमतरी में 606 आयोजन कर 11,228 बच्चों, महासमुंद में 415 आयोजनों के माध्यम से 7,302 बच्चों तथा जांजगीर-चांपा में 439 आयोजनों से 10,518 बच्चों को लाभ पहुंचाया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के नागरिक, जनप्रतिनिधि, दानदाता एवं पालक अपने विशेष अवसरों—जैसे जन्मदिन, वर्षगांठ या अन्य पारिवारिक खुशियों—पर आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के साथ भोजन साझा कर रहे हैं। इससे बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार मिल रहा है, साथ ही समाज में उनके प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता भी बढ़ रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले अधिकांश बच्चे ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से होते हैं। ऐसे में 'न्योता भोज' जैसे प्रयास उनके शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यह पहल न केवल कुपोषण को कम करने की दिशा में कारगर साबित हो रही है, बल्कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के प्रति बच्चों और अभिभावकों का आकर्षण भी बढ़ा रही है। शासन ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे अपने सामाजिक एवं पारिवारिक अवसरों को आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ साझा कर इस अभियान को और मजबूत बनाएं।

हसलनार में जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा का आयोजन

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जल संरक्षण को बढ़ावा देने कोंडागांव के हसलनार ग्राम पंचायत में जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा का आयोजन किया गया। गांव की महिलाओं, स्वसहायता समूहों तथा ग्राम जल स्वच्छता समिति के सदस्यों ने इसमें सक्रियता और उत्साह से भागीदारी की। महिलाओं को इस दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्राम जल स्वच्छता समिति, स्वसहायता समूहों तथा जल वाहिनी से जुड़ी महिलाओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति समाज में जागरूकता लाने तथा इन कार्यों में महिलाओं की भूमिका को सम्मान देने हसलनार में जल अर्पण एवं जल उत्सव पखवाड़ा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प एवं शपथ लिया। कोंडागांव जिला पंचायत की सदस्य श्रीमती यशोदा रामचंद्र कश्यप, जनपद सदस्य श्री रामनाथ नाग, श्री पवन कुमार कोर्राम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता श्री अजय कुमार टोप्पो, हसलनार की सरपंच श्रीमती सत्यवती कश्यप और उप सरपंच श्री नीलचंद बघेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम मंश शामिल हुए।

आमगांव खदान के कोल स्टॉक में लगी आग, धुंआ प्रदूषण से ग्रामीण परेशान

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के एसईसीएल के आमगांव खदान के कोल स्टॉक में अचानक भीषण आग लग गई है। आग लगने से खदान प्रबंधन को लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

धू-धू कर जल रहे कोयले से पूरे क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है, जिससे खदान कर्मियों और आसपास के ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोयले से निकलने वाली जहरीली गैसें लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनती जा रही हैं।

बताया जा रहा है कि कई दिनों से लगी यह आग अब विकराल रूप ले चुकी है, लेकिन अब तक प्रबंधन की ओर से आग पर नियंत्रण के ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं।

नगर निगम सामान्य सभा में वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जाएगा

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रायपुर नगर पालिक निगम की मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) की बैठक महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष एमआईसी बैठक कक्ष में हुई जिसमें नियमानुसार प्रकिया के तहत एजेण्डावार चर्चा कर आवश्यक निर्देश एमआईसी ने दिये। बैठक में आयुक्त श्री विश्वदीप एमआईसी सदस्य सर्वश्री महेन्द्र खोडियार, मनोज वर्मा, अवतार भारती बागल, दीपक जायसवाल, संतोष सीमा साहू, भोला राम साहू नंद किशोर साहू, खेमकुमार सेन, श्रीमती सरिता आकाश दुबे, श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, डॉ. अनामिका सिंह, श्रीमती संजना संतोष हियाल, अपर आयुक्तगणों, मुख्यअभियंता, अधीक्षण अभियंतागणों, जोन कमिश्नरों, उपायुक्तगणो, कार्यपालन अभियंताओं सभी विभागो के प्रभारी अधिकारियों की उपस्थिति रही।

एमआईसी ने बैठक में समस्त निराश्रित पेंशन योजनाओं में जोनो से प्राप्त 84 नये प्रकरणो एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में प्राप्त 24 नये प्रकरणो को विचार उपरांत सर्वसम्मति से स्वीकृति दी। पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग के प्रस्ताव को रायपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न चौक रोड मीडियन एवं उद्यानो के विकास व संधारण हेतु हरित रायपुर अभियान के तहत ईओआई जारी किये जाने चर्चा उपरांत स्वीकृति दी गई। लोककर्म विभाग के प्रस्ताव अनुसार नगरोत्थान योजना अंतर्गत 10 करोड की स्वीकृत लागत से 18 प्रमुख रोड जंक्शन के विकास कार्य के प्रस्ताव अंतर्गत रायपुर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में लोकनिर्माण विभाग पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, सीएसईबी, रायपुर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण कर ट्रैफिक दबाव एवं यातायात की सुगमता को ध्यान में रखते हुए 28 चौक चौराहो का चयन किया गया है। इस हेतु मंगाई गई निविदा में न्यूनतम दर 5 करोड 46 लाख 73 हजार 112 रू. निविदा दर देने वाली मेसर्स रायपुर कंस्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के प्रस्ताव को निविदा समिति की अनुशंसा अनुरूप स्वीकृति दी गई। नगर निगम जोन 9 अंतर्गत पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड कमांक 51 अंतर्गत लाभांडी से छोकरा नाला तक नाला निर्माण करने प्राप्त निविदा दर मेसर्स जेबी कंस्ट्रक्शन रायपुर को 2 करोड़ 4 लाख 82 हजार 580 रू. की प्रस्तुत निविदा दर को निविदा समिति की वित्तीय अनुशंसा पर एमआईसी द्वारा स्वीकृति दी गई। आकांक्षीय शौचालय योजना में विभागीय प्रस्ताव अनुरूप वार्ड कमांक 34 में कलेक्टोरेट परिसर के पास और वार्ड कमांक 45 में नगर निगम मुख्यालय गांधी सदन के सामने आकांक्षीय शौचालय निर्माण स्थल परिवर्तन कर करने की स्वीकृति विचार उपरांत एमआईसी द्वारा दी गई। पहले वार्ड 47 कटोरा तालाब के पास और काली माता मंदिर के पास आकांक्षीय शौचालय निर्मित किये जाने प्रस्तावित थे। प्रस्ताव अनुसार स्थल परिवर्तन को स्वीकृति दी गई।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक में 15 वां वित्त आयोग अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 मिलियन प्को स्वीकृति दी गई। एमआईसी ने जोन 7 के प्रस्ताव अनुसार रायपुर पुलिस कमिश्नरेट उपायुक्त पश्चिम कार्यालय के कार्यालय संचालन हेतु संत रामदास वार्ड कमांक 25 क्षेत्र अंतर्गत मुक्तिधाम कोटा के सामने स्थित सामुदायिक भवन को अस्थायी रूप से आबंटित करने की स्वीकृति विचार उपरांत दे दी। 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत वर्ष 2024-25 हेतु प्राप्त राशि से रायपुर के विभिन्न स्थानों पर रेड्डी निर्माण एवम बीटी के विभागीय प्रस्ताव को निविदा समिति की अनुशंसा अनुसार स्वीकृति दी गयी।

रायपुर लोकसभा सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा चयनित भूमि को दलदल सिवनी के स्थान पर शहर के मध्य सिद्धार्थ चौक टिकरापारा स्थित रिक्त सिद्धार्थ कालोनी की भूमि नरैया तालाब के समीप में स्थानांतरित कर नगर निगम को दिये गये पत्र अनुसार दिव्यांग पार्क बनाने के विषय में चर्चा की गयी।

एमआईसी ने राजस्व विभाग के विभाग प्रस्ताव अनुसार मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के अंतर्गत खालसा स्कूल के सामने से वर्ष 2016 में हटाए गए 69 दुकानदारों को किस्टल आर्केड के सामने की भूमि में व्यवस्थापन के संबंध में एमआईसी के संकल्प कमांक 21 पारित दिनांक 8 जनवरी 2026 में पुनर्विचार हेतु विचारोपरांत प्रस्ताव को सामान्य सभा की बैठक में स्वीकृति हेतु रखने एवं स्वीकृति पश्चात जिला आबंटन समिति के समक्ष रखने हेतु पुनर्विचार करने के निर्देश अनुशंसा करते हुए दिये। दुकानो के निर्माण के पूर्व प्रकरण में सक्षम स्वीकृति हेतु एमआईसी एवं सामान्य सभा की स्वीकृति पश्चात जिला आबंटन समिति के अनुमोदन उपरांत समस्त दुकानदारो से राशि जमा कराया जाकर दुकान का निर्माण किया जाना प्रस्तावित किया गया है। इसमें प्रति दुकान की लागत 1 लाख 29 हजार 299 रू. निर्धारित की गई है एवं कुल लागत राशि 91 लाख 80 हजार रू. है जिसमें प्रत्येक दुकान का क्षेत्रफल 77 वर्गफीट है।

नगर निगम संस्कृति विभाग के प्रस्ताव अनुसार अपर कलेक्टर रायपुर से प्राप्त पत्र दिनांक 11 दिसम्बर 2024 अनुसार जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जिला सैनिक बोर्ड रायपुर के पत्र दिनांक 10 सितम्बर 2024 अनुसार भूतपूर्व सैनिक सम्मेलन दिनांक 2024 को रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह की अध्यक्षता में बिन्दु कमांक 2 में लिए गये निर्णय अनुसार रायपुर जिला क्षेत्र में बलिदानी सैनिको मेजर यशवंत गोविंद गोरे जी और मेजर सत्य प्रदीप दत्ता जी की मूर्ति स्थापित करने अभिमत सहित प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इस विभागीय प्रस्ताव अनुसार शहीद मेजर यशवंत गोविंद गोरे जी की प्रतिमा साइंस कालेज के उद्यान में शहीद लेफ्टिनेंट राजीव पाण्डेय जी की प्रतिमा के बाजू में तथा शहीद मेजर सत्य प्रदीप दत्ता जी की प्रतिमा मेजर सत्य प्रदीप दत्ता गार्डन शंकरनगर सेक्टर 2 में स्थापित किये जाने के संबंध में महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में एमआईसी ने विचारोपरांत सर्वसम्मति से अनापत्ति स्वीकृति प्रदान करने का निर्णय लिया।

बैंक के बाहर खड़े अधिवक्ता के वाहन की डिक्की से नकदी पार

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कटघोरा नगर के भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार दिनदहाड़े एक अधिवक्ता के बाइक की डिक्की से अज्ञात चोरों ने पलक झपकते ही नकदी पार कर दी। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो बाइक सवार नकाबपोश चोरों को वारदात अंजाम देते देखा जा सकते हैं। बताया जा रहा हैं की पीड़ित अधिवक्ता बैंक ऑफ बड़ौदा से पैसे निकालकर बाहर आए थे और उन्होंने राशि बाइक की डिक्की में रखी थी। जैसे ही अधिवक्ता की नजर महज कुछ सेकंड के लिए बाइक से हटी, घात लगाकर बैठे चोरों ने हाथ साफ कर दिया। चोर एक यूनिकॉर्न बाइक पर सवार होकर आए थे। दोनों बदमाशों ने हेलमेट पहन रखा था ताकि पहचान उजागर न हो सके। बाइक के पीछे बैठे युवक ने फुर्ती दिखाते हुए डिक्की खोली और चंद सेकंड के भीतर पैसे निकालकर फरार हो गए।

दिनदहाड़े हुई इस चोरी की सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बैंक और आसपास के दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है। फुटेज में चोरों की मूवमेंट कैद हुई है, जिसके आधार पर घेराबंदी की जा रही है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आम जनता और बैंक आने-जाने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है।

उपमुख्यमंत्री ने बोड़ला में किया 6 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला को विकास की नई दिशा देते हुए 6 करोड़ रुपए से अधिक से विभिन्न विकास व निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। हॉकी खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन पहुंचकर कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों को सुविधाओं से सुसज्जित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं के विस्तार, बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और सामुदायिक विकास को गति देने के उद्देश्य से किए जा रहे ये कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यह सौगात बोड़ला के आने वाले वर्षों को विकास की दिशा प्रदान करेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बोड़ला नगर में अब बांध से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, जहां पानी फिल्टर प्लांट के माध्यम से शुद्ध होकर घर-घर तक पहुंचेगा। उन्होंने इसे नगरवासियों की लंबे समय से चली आ रही महत्वपूर्ण मांग की पूर्ति बताया और कहा कि ग्रेविटी आधारित यह जल व्यवस्था न केवल सुविधाजनक है, बल्कि टिकाऊ और प्रभावी भी है। पेयजल की बेहतर व्यवस्था और नगर को उन्नत बनाना शासन की प्राथमिकता है।

5.12 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने नगर पंचायत बोड़ला में 512.56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इनमें वार्ड क्रमांक 02 में 146.83 लाख रुपए की लागत से उन्नत (हॉकी) खेल मैदान निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 10 में विवेकानंद तालाब से निकासी नाला तक 48.95 लाख रुपए की आर.सी.सी. नाली एवं कांस कल्वर्ट निर्माण, 28.53 लाख रुपए की लागत से शौचालय निर्माण, 6.00 लाख रुपए से सामुदायिक भवन के पास प्रवेश

द्वार निर्माण तथा 18.20 लाख रुपए से सामुदायिक भवन का अतिरिक्त निर्माण एवं नवीनीकरण कार्य शामिल हैं। इसी क्रम में 97.42 लाख रुपए से राष्ट्रीय राजमार्ग दुर्ग मंदिर से स्टेडियम तक सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण, 13.80 लाख रुपए से ओवरहेड टैंक निर्माण, 4.62 लाख रुपए से शेड निर्माण, 8.90 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक (फुटपाथ) निर्माण, 6.40 लाख रुपए से विवेकानंद तालाब के पास हॉल निर्माण, 9.27 लाख रुपए से हाई मास्ट लाइट स्थापना, 72.74 लाख रुपए से एन.एच.-30 पुलिया से विवेकानंद सरोवर तक नाली एवं रोड चौड़ीकरण, 46.90 लाख रुपए से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 06 में 4.00 लाख रुपए से चौक निर्माण कार्य शामिल हैं।

90 लाख रुपए से अधिक के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर 90 लाख रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इसके अंतर्गत 73.44 लाख रुपए से निर्मित डॉ. भीमराव अंबेडकर सर्वसुविधायुक्त भवन का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 10.00 लाख रुपए की लागत से यादव समाज के पास निर्मित सामुदायिक भवन तथा 6.50 लाख रुपए से वार्ड क्रमांक 14 में साहू समाज के पास पानी टंकी के समीप निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया गया। इन कार्यों के पूर्ण होने से नगर पंचायत बोड़ला में नागरिकों को बेहतर आधारभूत एवं सामुदायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष विजय पाटिल, नितेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष नगर पंचायत लव निर्मलकर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, नन्द श्रीवास, मोहन धुर्वे, राम किंकर वर्मा, एम. डी. ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, नागरिक उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण को मिलेगी नई दिशा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन की अध्यक्षता में स्क्रिप्ट समिति के गठन हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रदेश में फिल्म निर्माण की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने तथा छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत को सिनेमा के माध्यम से व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखी जा रही है। संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने सिनेमा और संस्कृति के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। बैठक में इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. राजन यादव, ललित कला अकादमी नई दिल्ली के फोटो अधिकारी अभिमन्यु सिन्हा, प्रसार भारती आकाशवाणी रायपुर से पद्मश्री डॉ. राधेश्याम तारक तथा प्रसार भारती दूरदर्शन रायपुर के कार्यक्रम अधिकारी पी.के. पाठक उपस्थित रहे। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मुंबई से फिल्म अभिनेता श्री भगवान तिवारी ने भी अपनी भागीदारी निभाते हुए फिल्म निर्माण के व्यावहारिक पहलुओं और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। बैठक में सदस्य सचिव के रूप में उप संचालक उमेश मिश्रा ने समन्वय की भूमिका निभाई। बैठक के दौरान स्क्रिप्ट समिति के गठन की रूपरेखा, कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। इस समिति का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की लोककथाओं, ऐतिहासिक प्रसंगों, जनजीवन और परंपराओं पर आधारित सशक्त और गुणवत्तापूर्ण पटकथाओं को प्रोत्साहित करना है, ताकि स्थानीय विषयवस्तु पर आधारित फिल्मों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। अध्यक्ष सुश्री मोना सेन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अपार रचनात्मक संभावनाएं हैं, जिन्हें सिनेमा के माध्यम से सशक्त मंच प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्क्रिप्ट समिति का गठन स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा और प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा।

माता कौशल्या महोत्सव 2026 का मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत चंदखुरी ग्राम में माता कौशल्या महोत्सव 2026 का शुभारंभ कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मानस मंडली एवं सुप्रसिद्ध कलाकार श्रीमती पूनम विराट तिवारी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में ह्लमहतारी वंदन योजनाह्व की 25वीं किस्त जारी कर महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को प्रभु श्रीराम के आदर्शों पर चलना चाहिए। उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या में 500 वर्षों बाद भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। भगवान श्री राम हम सबके आराध्य हैं। छत्तीसगढ़ सरकार उनके बताए हुए रास्ते पर चल रही हैं। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित ह्लरामलला दर्शन योजनाह्व के तहत अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय अंत्योदय की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसान हितैषी है तथा महिला आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री ने आगे कहा कि सभी के सहयोग से इस महोत्सव को और अधिक भव्य बनाया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्रों में नई अलख- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े 123 स्कूल फिर से गुलजार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा की नई अलख, सरकार और सुरक्षाबलों की पहल से जगी है, दुर्गम इलाकों में मॉडल स्कूल, नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं और समर्पित शिक्षकों के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, जो अब फरार्टेदार अंग्रेजी बोलकर और तकनीकी कौशल सीखकर अपना भविष्य संवार रहे हैं। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुदूर क्षेत्रों में अब शिक्षा का उजाला फिर से फैलने लगा है। शासन के सतत प्रयासों और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही योजनाओं के कारण सुकमा जिले में बंद पड़े स्कूलों को पुनः संचालित किया गया है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिली है। अब इन क्षेत्रों में बंदूक की गूंज की जगह स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई, ककहरा और किताबों की सरसराहट सुनाई दे रही है, जो एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य का संकेत है। वर्ष 2006 में माओवादी प्रभाव और सलवा जुडूम आंदोलन के चलते सुकमा जिले के कुल 123 स्कूल बंद हो गए थे, जिनमें 101 प्राथमिक और 21 माध्यमिक विद्यालय शामिल थे। प्रशासन के लगातार प्रयासों से अब इन सभी स्कूलों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में जिले में एक भी ऐसा विद्यालय नहीं है जो नक्सल प्रभाव के कारण बंद हो। नक्सल आतंक से कभी छूटा था स्कूल, अब सुशासन से फिर जागी शिक्षा की अलख, उम्मीदों को मिल रहा सहारा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भय के कारण बंद हुए स्कूल फिर से खुल रहे हैं। स्कूल छोड़ चुके बच्चों की स्कूल में वापसी हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में शिक्षा का उजियारा बस्तर क्षेत्र की हर दिशा में फैल रहा है। शिक्षा के विस्तार और छात्रों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखते हुए जिले में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। वर्तमान में 16 पोटा केबिन (आवासीय विद्यालय) संचालित हैं, जिनमें 6,722 छात्र अध्ययनरत हैं। इसके साथ ही 16 पोटा केबिन छात्रावासों में 1,389 विद्यार्थी रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाइप-3 (कक्षा 6वीं से 12वीं) के 3 विद्यालयों में 600 छात्राएं तथा टाइप-4 (कक्षा 9वीं से 12वीं) के 2 छात्रावासों में 200 छात्राएं लाभान्वित हो रही हैं। वर्ष 2024-25 में नियद नेल्ला नार योजना के अंतर्गत सुकमा जिले के चयनित गांवों में 07 नए प्राथमिक विद्यालय खोले गए हैं, जिनमें अब तक 210 बच्चों ने प्रवेश लिया है। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा 19 और नए विद्यालय खोलने का प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे शिक्षा का दायरा और अधिक विस्तृत होगा।

मंत्री लक्ष्मी के प्रयासों से सड़क परियोजना को मिली 30.41 करोड़ की स्वीकृति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास को बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के बीरपुर (एनएच-43) से केवरा तक लगभग 18 किलोमीटर लंबाई की सड़क चौड़ीकरण एवं पुलिया निर्माण कार्य के लिए 3041.18 लाख रुपए (लगभग 30.41 करोड़ रुपए) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार उक्त सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण, पुलिया निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, भूमि उपलब्धता, निविदा प्रक्रिया तथा समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री ने चंदखुरी स्थित राज्य पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवा पुलिस अधिकारियों से की मुलाकात

राज नारायण दिवेदी

रायपुर। चंदखुरी स्थित राज्य पुलिस अकादमी में में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नव-नियुक्त युवा पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल एक परिधान नहीं, बल्कि विश्वास, कर्तव्य और त्याग का प्रतीक है, जिसे धारण करने वाले प्रत्येक अधिकारी पर समाज की सुरक्षा और न्याय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

मंत्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब एक सामान्य नागरिक निश्चिंत होकर सोता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस निभाती है। जब अंधेरे में कोई भयभीत होता है, तो उसे उम्मीद भी पुलिस से ही होती है। ऐसे में पुलिस केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के विश्वास का आधार है। उन्होंने आगे कहा कि आज 870 युवा प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहां से वे छत्तीसगढ़ की सुरक्षा, शांति और न्याय व्यवस्था की मजबूत रीढ़ बनने जा रहे हैं। यह केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे राज्य के विश्वास और अपेक्षाओं का प्रतीक है।

राज्य में बदलते सुरक्षा परिदृश्य का उल्लेख करते हुए मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने पिछले वर्षों में नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। उन्होंने इसके लिए देश के नेतृत्व और सुरक्षा बलों के साहस व समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब चुनौतियां बदल चुकी हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से फैलती अफवाहें नई चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और संवेदनशील बनना होगा।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि इस बैच में लगभग एक चौथाई बेटियों की भागीदारी प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने महिला अधिकारियों को समाज में सुरक्षा और सशक्तिकरण की नई पहचान बताया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की कि वे जनता के साथ संवेदनशीलता और सम्मान का व्यवहार करें तथा अपने कार्य में ईमानदारी और निष्पक्षता को सर्वोपरि रखें। उन्होंने यह भी कहा कि एक अच्छा पुलिस अधिकारी वही होता है, जो अपनी टीम को साथ लेकर चलता है और संकट की घड़ी में सबसे आगे खड़ा रहता है। साथ ही, जहां भी उनकी नियुक्ति हो, वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए जनता के साथ विश्वास का रिश्ता बनाना चाहिए। अपने संबोधन के अंत में मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ह्लडर पैदा मत कीजिए, विश्वास पैदा कीजिए। शक्ति का प्रदर्शन मत कीजिए, न्याय का संरक्षण कीजिए। वर्दी केवल तन पर नहीं, बल्कि अपने चरित्र और आत्मा में धारण कीजिए।ह्व उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस दिन कोई नागरिक यह कहे कि ह्लपुलिस है, इसलिए मैं सुरक्षित हूंह्व, उसी दिन एक पुलिस अधिकारी की वर्दी सार्थक होगी।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री अग्रवाल ने सभी नव-नियुक्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें साहस, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

न्याय, परंपरा और परिवर्तन : सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर जनभावना

राज नारायण दिवेदी

अंबिकापुर। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय ने देश में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। सामान्य जनमानस के एक बड़े वर्ग द्वारा इस निर्णय का स्वागत किया जा रहा है। इसे इस रूप में देखा जा रहा है कि न्यायालय ने समाज की अपेक्षाओं और संवैधानिक मयार्दाओं के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया है। इस समर्थन के पीछे एक प्रमुख भावना यह भी है कि भारतीय न्याय व्यवस्था केवल विधिक तर्कों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की ऐतिहासिक संरचना, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक यथार्थ को भी ध्यान में रखती है। कई लोगों को यह प्रतीत होता है कि यह निर्णय भारतीय जीवन-पद्धति, परंपरा और सामाजिक संरचना के गहन अध्ययन और चिंतन के बाद सामने आया है। इसी संदर्भ में छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता विधेयक जैसे विधायी प्रयासों और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बीच एक प्रकार का सामंजस्य भी देखा जा रहा है। यद्यपि इन दोनों घटनाओं के कारण देश, समाज और विशेष रूप से प्रदेशों में कुछ हलचल स्वाभाविक है, फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि एक बड़ा वर्ग इस दिशा में हो रहे परिवर्तनों का समर्थन कर रहा है। 24 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण निर्णय ने देश में धर्म, जाति और आरक्षण से जुड़ी बहस को पुनः जीवंत कर दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर अन्य धर्म, जैसे इस्लाम या ईसाई अपनाता है, तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा खो देता है। यह निर्णय पहली नजर में भले ही ऐतिहासिक बताया जा रहा हो, किंतु वस्तुतः यह संविधान (अनुसूचित जातियाँ) आदेश, 1950 में पहले से निहित प्रावधानों की पुनः पुष्टि है।

सम्पादकीय

युद्ध के अल्पविराम को पूर्ण विराम में बदलने का वक्त

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच हालात इस ओर इशारा कर रहे हैं कि अब बंदूकें खामोश होने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। सवाल यह है कि क्या दुनिया इस मौके को पूर्ण विराम में बदल पाएगी, या फिर यह विराम अगली भीषण टकराहट का सिर्फ एक अंतराल बनकर रह जाएगा? इस संघर्ष ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके झटके पूरी दुनिया को झकझोर देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया। ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है। यह एक स्पष्ट संदेश है कि तकनीकी और सैन्य श्रेष्ठता आज भी निर्णायक भूमिका निभाती है। दूसरी ओर, ईरान ने भी अपनी जवाबी कार्रवाई से यह साबित कर दिया कि वह दबने वाला नहीं है। उसने न केवल अपने क्षेत्रीय प्रभाव को बनाए रखा, बल्कि सैन डियागो पर असफल हमला कर पश्चिमी देशों को यह चेतावनी भी दी कि किसी भी आक्रामक कदम की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यही वह बिंदु है, जहां यह युद्ध अपने "औचित्य" की सीमा पर पहुंच चुका है। जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी ताकत का प्रदर्शन कर चुके हैं और एक-दूसरे को संदेश दे चुके हैं, तब संघर्ष को जारी रखना केवल विनाश को आमंत्रण देना होगा। युद्ध का उद्देश्य यदि राजनीतिक या सामरिक बढ़त हासिल करना था, तो वह काफी हद तक पूरा हो चुका है। अब आगे की लड़ाई केवल संसाधनों की बर्बादी और मानवता के खिलाफ अपराध बनकर रह जाएगी। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दर्शाता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। हालांकि, ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें, अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दर्शाती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि बारूद की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध का यह अल्पविराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।

विश्लेषण

राज कुमार सिंह

दुनिया पर भारी पड़ता जंग का जुनून

सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दर्जन शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी जंग का यह चौथा सप्ताह है, लेकिन शांति की कोशिशों के बजाय उसे भड़काने का जुनून ही सिर चढ़ कर बोल रहा है। जंग के पक्ष और सफलता को लेकर इन देशों के अपने-अपने तर्क और दावे हो सकते हैं, पर हकीकत डरावनी होती जा रही है। इस बीच अफवाह युद्ध भी जारी है। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के मर जाने या घायल होने का दावा अमेरिका और इजराइल कर रहे हैं तो जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मौत का दावा किया जा रहा है।

सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत ईरान के चार दर्जन शीर्ष नेताओं को अब तक मारने में सफलता के बावजूद वहां कठपुतली सरकार बनाने का अमेरिका-इजराइल का सपना अधूरा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इच्छा के विपरीत ईरान ने खामेनेई के बेटे मोजतबा को ही अपना नया सर्वोच्च नेता चुना। मोजतबा ने युद्ध विराम से इनकार करते हुए साफ कर दिया है कि ईरानियों के खून का बदला लिया जाएगा और खाड़ी देशों से अमेरिकी सैन्य अड्डे नहीं हटे तो उन पर भी हमले जारी रहेंगे। ईरान को चंद दिनों में घुटनों पर ला देने का दम भरने वाले अमेरिका-इजराइल अब जंग खत्म होने तथा उसमें हो रही जन-धन हानि के सवालों से मुंह चुराने लगे हैं। अमेरिका अब कन्फ्यूज्ड ज्यादा नजर आ रहा है। कभी ट्रंप कहते हैं कि किसी देश की मदद नहीं चाहिए तो कभी गुहार लगाते हुए धमकाते हैं। अभी तक कह रहे थे कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज बंद होने से अमेरिका को फर्क नहीं पड़ता तो अब 48 घंटों में न खुलने पर भयावह परिणामों की धमकी दे रहे हैं। अपनी जवाबी कार्रवाई से चौंका रहे ईरान ने भी धमकी दे दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया गया तो वह भी अमेरिका के मित्र खाड़ी देशों के ऊर्जा ही नहीं, पेयजल संयंत्रों को भी ठिकाना बनाएगा। ध्यान रहे कि इन देशों में उपलब्ध ज्यादातर जल खारा है, जिसे इन संयंत्रों में पीने योग्य बनाया जाता है। ईरान के नतांज परमाणु केंद्र को निशाना बनाया गया तो उसने भी इजराइल के डिमोना परमाणु केंद्र पर हमला करने में देर नहीं लगाई। विडंबना यह है कि जंग के इन जुनूनी बोलों के बीच शांति की समझदारी के सुर अभी तक कहीं से भी सुनाई नहीं पड़े हैं। याद रहे कि रूस और यूक्रेन युद्ध के सीमित दायरे के बावजूद युद्ध विराम की कोशिशें और दावे नजर आये थे। अनेक संघर्ष विराम का श्रेय लेते हुए अपने लिए शांति का नोबेल पुरस्कार मांगते रहे ट्रंप ने भी जल्द रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने के दावे किए थे। उसी क्रम में उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को अमेरिका बुलाकर अपमानित किया तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी कई बार बात की, लेकिन बात बनी नहीं और युद्ध चार साल बाद भी जारी है, जिसमें लगभग 18 लाख सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं। इक्कीसवीं शताब्दी में विश्व व्यवस्था की विद्रूपता देखिए कि खुद को शांतिदूत बताने वाले ट्रंप ने ही इजराइल के साथ मिल कर ईरान पर हमले से खुद दुनिया को बड़ी जंग में धकेल दिया है। रूस और यूक्रेन की तरह

इजराइल-अमेरिका और ईरान के पास अपनी जंग को जायज ठहराने के तर्क हैं। इजराइल और ईरान अरसे से एक-दूसरे की आंखों में खटकते रहे हैं। अमेरिका भी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हौव्वा दिखा कर दुनिया को डराता रहा है। परमाणु कार्यक्रम तथा हमास, हूती और हिजबुल्लाह सरीखे आतंकी संगठनों को कथित ईरानी मदद के मुद्दे पर अमेरिका और ईरान में तीसरे देश में वार्ताएं भी चलीं। 26 फरवरी को जिनेवा में हुई वार्ता में ईरान परमाणु कार्यक्रम सीमित रखने पर राजी भी हो गया था, बशर्ते उसके विरुद्ध 1979 से लागू अंतराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा लिए जाएं, जिनके चलते उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है।

आतंकी संगठनों को कथित मदद पर अगली वार्ता में बात आगे बढ़ पाती, उससे पहले ही इजराइल के साथ मिलकर अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोल दिया। अब जबकि ईरान ने मित्र देशों के अलावा सभी के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद कर दिया है, ट्रंप की मदद की गुहार उनके दोस्त देश भी नहीं सुन रहे। हाल के इतिहास में विश्व व्यवस्था में अमेरिका इतना अकेला कभी नहीं दिखा। बड़े सुरक्षा अधिकारी जो केंट द्वारा इस्तीफा देते हुए किए गए इस खुलासे ने भी ट्रंप को कठघरे में खड़ा कर दिया है कि अमेरिका को ईरान से कोई खतरा नहीं। खामेनेई शासन की कट्टर इस्लामी व्यवस्था के विरोध में ईरान में प्रदर्शन किसी से छिपे नहीं रहे। दमनचक्र के चलते हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। अमेरिका और इजराइल को लगा कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही असंतोष और मुखर हो जाएगा, जिसका फायदा उठाते हुए ईरान में कठपुतली सरकार बनवाकर अकूत तेल और गैस संसाधनों पर कब्जा कर लिया जाएगा। खामेनेई के खात्मे के बाद ईरानियों से सड़कों पर निकल कर सत्ता पर कब्जा कर लेने का आह्वान भी किया गया, लेकिन विदेशी आक्रमण के चलते वह आंतरिक असंतोष भी बीते वक्त की बात लगता है। दशकों से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध झेलने के बावजूद आधुनिकतम हथियारों से लैस अमेरिका और इजरायल को ईरान जंग में जैसा जवाब दे रहा है, लगता नहीं कि युद्ध जल्द समाप्त होगा। अमेरिकी सैन्य अड्डे वाले खाड़ी देशों को निशाना बनाने के साथ ही अमेरिका और इजराइल पर भी ईरान सीधे हमले कर चौंका रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट कितना गहरा सकता है, इसका संकेत इसी से मिल जाता है कि हाल तक भारत पर रूस से तेल न खरीदने का दबाव बनाने वाला अमेरिका ही अब उस समेत तमाम देशों को रूस से कच्चा तेल खरीदने को कह रहा है। ईरान से तेल खरीद पर लगा प्रतिबंध भी कुछ समय के लिए हटा लिया गया है। तीन सप्ताह की जंग में ही कच्चे तेल और गैस की कीमतों में आया उछाल बेहद मुश्किल वक्त की आहट ही है, लेकिन जंग के जुनून के बीच शायद कोई उसे सुनना नहीं चाहता।

लंबी जंग से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाली मार आर्थिक मंदी का कारण भी बन सकती है। वैसे यह आपदा रूस और अमेरिका की तेल कंपनियों के लिए जबर्दस्त कमाई का अवसर बन गई है। पिछले महीने कच्चा तेल 52 डॉलर प्रति बैरल बेचने वाला रूस अब 100 डॉलर प्रति बैरल बेच रहा है। अंजाम तो समय बताएगा, लेकिन असर बता रहा है कि दुनिया का चौधरी बनने की सनक में ट्रंप ने दुनिया को ऐसी जंग में झोंक दिया है, जिससे निकलना तो मुश्किल होगा ही, उसके असर से बच पाना नामुमकिन होगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन

कमलाकर सिंह

चयन प्रक्रिया व उपेक्षित उत्कृष्ट

कृतियों पर पुनर्विचार आवश्यक

साहित्य अकादमी पुरस्कार को लेकर उठती बहस केवल एक लेखक या कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हिंदी साहित्य में सम्मान की कसौटियों, चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और समय पर मूल्यांकन जैसे व्यापक प्रश्नों को सामने लाती है।

इन दिनों ममता कालिया को उनके संस्मरणात्मक लेखन 'जीते जी इलाहाबाद' पर मिले साहित्य अकादमी पुरस्कार की चर्चा व्यापक रूप से हो रही है। अखबारों, सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी-"आखिर मिल ही गया ममता कालिया को साहित्य अकादमी पुरस्कार"- ने इस बहस को और तीखा बना दिया। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि किसी लेखक को पुरस्कार मिलने पर इस तरह की प्रतिक्रिया क्यों उत्पन्न होती है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें यह पुरस्कार बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। कुछ लोगों ने तो उनकी समग्र रचनात्मकता को ही औसत बताया। इन बातों पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करता, परंतु बड़ा प्रश्न यह है कि इस पुरस्कार का आधार लेखक होता है या कृति? हिंदी साहित्य में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां महत्वपूर्ण रचनाकारों को समय रहते सम्मान नहीं मिला। रमेश चंद्र शाह और रमेश कुंतल मेघ के संदर्भ में यह बात कही जाती रही है। सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जैसे महान रचनाकार को उनके जीवनकाल में यह सम्मान नहीं मिला और धर्मवीर भारती जैसे महत्वपूर्ण साहित्यकार भी इससे वंचित रह गए। यह स्थिति पुरस्कार-प्रक्रिया के मानदंडों पर पुनर्विचार की मांग करती है। हिंदी जैसी विशाल भाषा, जिसके करोड़ो पाठक हैं, उसमें यदि पुरस्कारों की संख्या और संरचना सीमित रहेगी तो अनेक योग्य रचनाकार अनदेखे रह जाएंगे। ऐसे में विभिन्न विधाओं के लिए पृथक पुरस्कारों की व्यवस्था एक सार्थक विकल्प हो सकता है।

यह भी देखा गया है कि कई महत्वपूर्ण कृतियां समय पर सम्मान से वंचित रह जाती हैं, जबकि कभी-कभी कम प्रभावी रचनाएं भी पुरस्कृत हो जाती हैं। इसलिए आवश्यक है कि साहित्य अकादमी अपनी चयन-प्रक्रिया और ज्यूरी संरचना को अधिक लोकतांत्रिक और समावेशी बनाए, ताकि हाशिए पर छूटते हुए लेखकों को भी समान अवसर मिल सके। यह पुरस्कार केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और बौद्धिक प्रवाह को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी संदर्भ में आनंद कुमार सिंह की काव्यकृति 'अथर्वा मैं वही वन हूं' विशेष ध्यान आकर्षित करती है जो साहित्य अकादमी की विचारणीय सूची में शीर्ष पर थी। वर्ष 2021 में प्रकाशित यह कृति अल्प समय में ही हिंदी-जगत में व्यापक विमर्श का केंद्र बन गयी। अशोक वाजपेयी ने 28 नवंबर 2021 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में कृति के लोकार्पण समारोह में कहा था- " कविता में भाषा का एक काम यह है कि वो वहां ले जाए जहां, पहले कविता कभी न गई हो, न भाषा कभी गई हो। मेरे हिसाब से इस पुस्तक की एक प्रशस्ति ये हो सकती है कि इसने भाषा और कविता दोनों को वहां ले जाने की कोशिश की है जहां कम से कम पिछले पचास वर्षों में हिंदी कविता नहीं गई है।" अनेक विश्वविद्यालयों में इस पर शोध हो रहे हैं तथा आलोचनात्मक ग्रंथ प्रकाशित हुए हैं। किसी काव्यकृति के प्रकाशन के कुछ वर्षों के भीतर इस प्रकार की बौद्धिक सक्रियता कम ही देखने को मिलती है। यह कृति समकालीन हिंदी साहित्य में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। ऐसे समय में जब गंभीर साहित्य के लिए पाठकीय आधार सिकुड़ता प्रतीत होता है, यह कृति एक नई संभावना का संकेत देती है। आनंद कुमार सिंह की यह कृति उनकी छब्बीस वर्षों की साधना का परिणाम है, जो अपने समय की आलोचना करते हुए भारतीय ज्ञान-परंपरा का काव्यात्मक पुनर्पाठ प्रस्तुत करती है। उनकी अन्य कृतियां- 'सौंदर्य जल में नर्मदा' और 'विवेकानंद'-भी इस सृजनात्मक ऊंचाई की पुष्टि करती हैं। 'अथर्वा मैं वही वन हूं मुक्त छंद में महाकाव्य की रचना को संभव बनाती है और हिंदी के लिए एक गौरवग्रंथ के रूप में उपस्थित है। साहित्य किसी भी सभ्यता की आत्मा होता है। आज जब समाज तीव्र गति से तकनीक-निर्भर होता जा रहा है, साहित्य की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। वर्ष 2025 का साहित्य अकादमी पुरस्कार ममता कालिया को मिला, यह स्वागत योग्य है; किन्तु अब कृति पर गंभीरता से विचार होना चाहिए, जो अपने समय को अभिव्यक्त करने के साथ-साथ साहित्य को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

(लेखक भोज मुक्त विवि भोपाल के पूर्व कुलपति हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन-ऊर्जा का प्रवाह भीतर की ओर हो

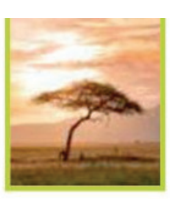

संकलित

दर्शन

हम दीपावली अमावस की रात को मनाते हैं! दीयों की पंक्तियां बाहर जला लेते हैं, पर दीये तो भीतर नहीं जा सकते। भीतर की अमावस तो अमावस ही रहेगी। धोखे छोड़ो! इसे स्वीकार करो कि तुम बुझे हुए दीपक हो। अपने ही कारण तुम बुझे हुए हो। अपने ही कारण भीतर प्रकाश नहीं जागा। कहां चूक हो गई है? वस्तुतः हमारी सारी जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। इस बहिर्यात्रा में ही हम भीतर अंधेरे में पड़े हैं। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी। तुम्हारा सारा प्रकाश बाहर पड़ रहा है। सबको देख लेते हो, अपने प्रति अंधे रह जाते हो। जिसने स्वयं को न देखा, उसने कुछ भी न देखा। तुम्हारे भीतर का दीया कैसे जले, सच्ची दीपावली कैसे पैदा हो? उसके सूत्र हैं बड़े मधु-भरे! पीओगे तो जी उठोगे। ध्यान धरोगे इन पर, संभल जाओगे। डुबकी मारोगे इनमें, तो तुम जैसे हो वैसे मिट जाओगे और तुम्हें जैसा होना चाहिए, वैसे ही प्रकट हो जाओगे। सूत्र यह है कि जिस प्रकाश को तुम खोज रहे हो, वह तुम्हारे भीतर बैठा है। तुम्हारी खोज के कारण ही तुम उसे नहीं पा रहे हो। तुम दौड़े जाते हो। थकते हो, गिरते हो। जिसे तुम खोजने चले हो, उस मालिक ने तुम्हारे घर में बसेरा किया हुआ है। तुम जिसे खोजने चले हो, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। खोजने वाले में ही छिपा है। वह जो गंतव्य है, कहीं दूर नहीं, कहीं भिन्न नहीं, गंता की आंतरिक अवस्था है। अगर उसे देखना हो, उसके प्रति चैतन्य से भरना हो तो आंखें उलटाना सीखना पड़ेगा। यही ध्यान है।

दान की बड़ी महिमा

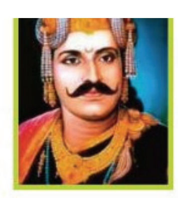

संकलित

प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करे।

सटाका

आज की पाती

ईरान की नीति और ऊर्जा संकट

दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार की एक महत्वपूर्ण धुरी हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य है। यह एक अत्यंत संकीर्ण जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ता है। इसी मार्ग से दुनिया के लगभग एक-चौथाई तेल और गैस का परिवहन होता है। ऐसे में ईरान द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाज़ों पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय कानून और ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब पूरी दुनिया पहले से ही ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे देश इस मार्ग पर अत्यधिक निर्भर हैं। बहरहाल, यह लड़ाई अब बातचीत के जरिए खत्म होनी चाहिए। *- नमिश कुमार, रोहतक*

करंट अफेयर

व्हाइट हाउस के समीप स्थापित की गई कोलंबस की प्रतिमा

इतालवी खोजकर्ता क्रिस्टोफर कोलंबस की एक प्रतिमा को अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के पास स्थित आइजनहावर सरकारी कार्यालय परिसर में स्थापित किया गया है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा इस कथित विवादित खोजकर्ता को सम्मान देने के प्रयास का हिस्सा है। यह उस प्रतिमा की प्रतिकृति है, जिसे 2020 में ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान देशभर में संस्थागत नस्लवाद के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच बाल्टीमोर के बंदरगाह में फेंक दिया गया था। ट्रंप पारंपरिक रूप से कोलंबस को 1492 के उस अभियान के नेता के रूप में देखते हैं, जिसे अमेरिका में यूरोपीय उपनिवेशवाद की अनौपचारिक शुरुआत और आधुनिक आर्थिक-राजनीतिक व्यवस्था के विकास का आधार माना जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में कोलंबस को पश्चिमी यूरोप द्वारा 'न्यू वर्ल्ड' उसके संसाधनों और मूल निवासियों के दमन और शोषण के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। 'न्यू वर्ल्ड' से तात्पर्य अमेरिका (उत्तरी, दक्षिणी और मध्य अमेरिका) और आसपास के द्वीपों से है व्हाइट हाउस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'इस व्हाइट हाउस में क्रिस्टोफर कोलंबस एक नायक हैं और राष्ट्रपति ट्रंप यह सुनिश्चित करेंगे कि आने वाली पीढ़ियों तक उन्हें इसी रूप में सम्मानित किया जाए।'

ऑफ बीट

खटमल एक वैश्विक समस्या इसके बारे में जानकारी कम

खटमल छोटे, उड़ने से लाचार कीड़े होते हैं जो मानव रक्त पर जीते हैं। कई प्रजातियां हैं, लेकिन सबसे अधिक लोगों को जिस प्रजाति का पता है वह साइमेक्स लेक्टुलरियस है। रोमनों ने उन्हें साइमेक्स कहा, जिसका अर्थ है बग। 1758 में बहुत बाद में प्राकृतिक इतिहासकार कार्ल लिनिअस ने इनके नाम के साथ 'लेक्ट्युलरियस' को जोड़ा, जिसका अर्थ है बिस्तर या सोफा। हमारा रक्त उनके पोषण का मुख्य स्रोत है, लेकिन वह जीने के लिए अन्य जानवरों का खून भी पीते हैं, जैसे पक्षियों, पालतू जानवरों और चमगादड़ों आदि का। खटमल में एक जटिल आंत माइक्रोबायोटा होता है, जो उन्हें हमारे रक्त से आवश्यक सभी पोषक तत्वों को निकालने में मदद करता है। किशोरों को एक जीवन चरण से दूसरे में विकसित होने के लिए रक्त भोजन की आवश्यकता होती है - इसलिए, वयस्क बनने के लिए, प्रत्येक खटमल को कम से कम पांच रक्त भोजन की आवश्यकता होगी। वयस्क खटमल, हालांकि, भोजन के बिना पूरे वर्ष जीवित रह सकते हैं। वे उड़ नहीं सकते। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, चलने से वह बहुत दूर नहीं जा सकते, लेकिन यह घर में हर तरफ फैल जाते हैं। और खटमल ज्यादा दूर तक जाने के लिए इनसानों का इस्तेमाल करते हैं।

ट्रेंड

लोहिया को श्रद्धांजलि

डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। वे एक बहुमुखी व्यक्तित्व थे जिन्होंने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध जन आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत की प्रगति में योगदान दिया। लैंगिक समानता और सहभागी शासन पर उनके विचार भी उतने ही उल्लेखनीय हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कच्चे तेल का भंडारण

बीते दशक में भारत ने संकट के ऐसे ही समय के लिए कच्चे तेल के भंडारण को भी प्राथमिकता दी है। आज भारत के पास 53 लाख मीट्रिक टन से अधिक का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है और 65 से अधिक की व्यवस्था पर देश काम कर रहा है।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

प्रेरणा स्रोत

महान क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के शहीद दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। देश के लिए बेखौफ लड़ते हुए उनका संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

नया उत्तर प्रदेश कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति को अपना रहा है। पुच एआई के साथ 25,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन से राज्य में एआई पार्क, बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर अवसंरचना, एआई कॉमन्स और एक एआई विश्वविद्यालय स्थापित होंगे।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

राजस्थान पुलिस की ट्रेनिंग एसएसबी कैंपस में जारी

गोरखपुर। राजस्थान पुलिस के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए इन दिनों गोरखपुर स्थित एसएसबी कैंपस में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, विशेषकर तहसील स्तर पर होने वाले राजस्व एवं न्यायिक कार्यों की गहन जानकारी प्रदान करना है, ताकि विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय और कार्यकुशलता को और बेहतर बनाया जा सके। इसी क्रम में तहसील सभागार में आयोजित एक विशेष सत्र के दौरान नायब तहसीलदार भागीरथी सिंह ने प्रतिभागियों को तहसील की कार्यप्रणाली से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने बताया कि तहसील प्रशासन राजस्व संग्रह, भूमि अभिलेखों के संधारण, नामांतरण (म्यूटेशन), सीमांकन, जाति/आय/निवास प्रमाण पत्र निर्गमन सहित कई महत्वपूर्ण कार्यों का केंद्र होता है।

ढोंगी बाबा अशोक खरात की जानकारी दिवाली में ही मुख्यमंत्री को थी; फिर छह महीने तक क्या सोते रहे? हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई, दिवाली के आसपास ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को ढोंगी बाबा अशोक खरात मामले की जानकारी मिल गई थी। अक्टूबर-नवंबर से ही खरात के गैरकानूनी कृत्य सामने आ रहे थे, गृह विभाग सबूत भी इकट्ठा कर रहा था, फिर मुख्यमंत्री छह महीने तक क्या सोते रहे थे? ऐसा तीखा सवाल उठाते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि खरात मामले को लेकर जो विकृत चर्चा शुरू हुई है, वह महाराष्ट्र के लिए अच्छी नहीं है। एसआईटी को और मजबूत किया जाए, टास्क फोर्स बनाई जाए और दोषियों को जेल में डालकर इस मामले का अंत किया जाए। बुलढाणा में मीडिया से बात करते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने आगे कहा कि अशोक खरात का मामला अंधविश्वास से पैदा हुआ है और इससे हमें सबक लेना चाहिए। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना जरूरी है। अंधविश्वास कौन बढ़ा रहा है, धर्म और जाति के नाम पर विवाद कौन पैदा कर रहा है, नफरत कौन फैला रहा है—यह सबको पता है। इसी माहौल से खरात जैसे विकृत लोग पैदा होते हैं, इसे समझना होगा। 2024 से देवेंद्र फडणवीस राज्य के गृहमंत्री हैं और उनके कार्यकाल में ही अशोक खरात जैसे व्यक्ति ने महाराष्ट्र में उत्पात मचाया है। अब भी जानबूझकर इस मामले को लंबित रखा जा रहा है, ऐसा मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह अपने ही सहयोगी दलों को दबाव में लाने की कोशिश है, जो निंदनीय है। इस मामले में रूपाली चाकणकर का इस्तीफा हो चुका है, लेकिन बाकी सभी संबंधित लोगों पर भी मामला दर्ज कर कार्रवाई होनी चाहिए। खरात से जुड़े लोगों को समाज के साथ-साथ अपने अंतर्मन से भी डरना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि समाज में जागरूकता की कमी के कारण ही खरात जैसे विकृत लोग पैदा होते हैं और इस मामले में कुछ लोग अंधविश्वास के शिकार भी हुए हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला जशपुर के न्यायालय में मामला कमांक: 202603031100026

विषयः-अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सत्तः-2025-2026
मोग्रीकला प.ह.न. 00011 [154/41(0.0620 हे0)]
अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार मनीष पैंकरा पिता अकबर साय पैंकरा,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम गोड़ीकला प.ह.न. 11. तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनीष पैंकरा पिता अकबर साय पैंकरा जाति कंवर, निवासी ग्राम पत्वलगांव, तहसील पत्थलगांव जिला- जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम गोहीकला प.ह.नं. 11 स्थित आवेदित भूमि च.नं. 154/41 रकबा 0.062 हे0 में से 0.032 हे0 (323.72 वर्गमीटर) का आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 08/04/2026 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/03/2026 को जारी किया जाता है।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
पत्थलगांव जिला जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
रा०प्र०क्र०
ईश्तहार
आगामी तिथि 17.04.2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता, संस्था, विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद गुप्ता आ. बिगउ प्रसाद गुप्ता, उम्र लगभग 65 वर्ष व अन्य 1, निवासी ग्राम मंडी रोड सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम मोहल्ला बाजारपारा सूरजपुर स्थित नजूल भूमि खसरा नम्बर 1887, 1888/1 रकबा 7406, 602 वर्गफीट भूमि स्थित है। वादभूमि अनावेदक क्र 03 से 07 एवं स्व. सगरी देवी के नाम की संयुक्त नजूल भूमि है। स्व. सगरी देवी की मृत्यु दिनांक 29.12.2025 को हो चुकी है और सगरी देवी के वारिशान आवेदकगण एवं अनावेदक 1 व 2 है। स्व. सगरी देवी की मृत्यु होने से वारिष होने की हैसियत से उनका नाम विलोपित कर आवेदकगण एवं अनावेदक क्र 01 व 02 का नाम संधारण खसरा में नामांतरण दर्ज करने का अनुरोध आवेदकगण द्वारा किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 17/04/2026 को न्यायलयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 19.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

मुंबई कांग्रेस के राष्ट्रीय टैलेंट हंट अभियान को उत्साहजनक प्रतिसाद

मुंबई ,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा शुरू किए गए टैलेंट हंट अभियान को मुंबई से उत्साहजनक प्रतिसाद मिला है। मुंबई से विभिन्न क्षेत्रों के 100 इच्छुक उम्मीदवारों ने इसके लिए आवेदन किया था। मुंबई कांग्रेस के कार्यालय राजीव गांधी भवन में प्रत्यक्ष साक्षात्कार लिए गए। टैलेंट हंट अभियान के माध्यम से पार्टी प्रवक्ता, मीडिया पैनलिस्ट, शोध समन्वयक और प्रचार समन्वयक जैसे पदों पर विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोगों को कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के कार्य में योगदान देने का अवसर मिलेगा, ऐसी जानकारी मुंबई कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस ने दी। कांग्रेस पार्टी के लिए कार्य करने के इच्छुक विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह टैलेंट हंट अभियान देशभर में शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 448/2 रकबा 0.01 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 13/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 378/4 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 13/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र० क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेश कुमार, राजेश कुमार आ० स्व० ताराचद अग्रवाल, निवासी डी०सी० रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर 03 मोहल्ला डी०सी०रोड़ नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1374/8 रकबा 0.03 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार आ० स्व० ताराचद अग्रवाल, निवासी डी०सी० रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर 03 मोहल्ला पाण्डेपुरा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 1801/4836/74 रकबा 2520 वर्गफीट भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03. 2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गिरीश प्रसाद विश्वकर्मा आठ सूरज प्रसाद विश्वकर्मा, निवासी रावत रेसीडेंसी एम०जी० रोड़, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर- मोहल्ला सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 829/14, 830/19 रकबा 0.02 1/2, 0.02 1/2 एकड़ भूमि की लीज अवधि समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदकगण द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

चैत्र नवरात्र : मंत्रोच्चार के साथ हुई स्कंदमाता की पूजा-अर्चना

लखनऊ। चैत्र नवरात्र के पांचवे दिन सोमवार को स्कंदमाता स्वरूप की पूजा हुई। स्कंदमाता ममता और वात्सल्य की प्रतीक हैं। माता की गोद में भगवान स्कंद बाल रूप में विराजित हैं। माता की चार भुजाएं हैं। मां को लाल रंग प्रिय है। माता कमल के पुष्प पर विराजित रहती हैं। वाहन सिंह है। माता की पूजा करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

द यश मंगलम शो की नई लघु फिल्म युवा बिहार में युवा पीढ़ी के जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति

मुंबई, । भारत के ऐतिहासिक प्रदेश बिहार के स्थापना दिवस की वर्षगॉठ के अवसर पर इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण लघु फिल्म युवा बिहार का लोकार्पण हुआ, जिसमें बिहार की युवा पीढ़ी के अद्भुत हुनर एवं बुलंद हौसलों के साथ युवाओं के जोश, जज्बे और जुनून की असरदार अभिव्यक्ति की गई है। पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे द यश मंगलम शो की नवीनतम कड़ी के रूप में इस लघु फिल्म युवा बिहार का लोकार्पण बिहार दिवस के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के टेन्डर हार्ट्स इंटरनेशनल, स्कूल में किया गया। उल्लेखनीय है कि बिहार के शिक्षा मंत्री श्री सुनील कुमार ने भी इस जोशीली लघु फिल्म का अवलोकन कर इसकी सृजनात्मक उत्कृष्टता को सराहा है। एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई द्वारा महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म युवा बिहार सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर मौजूद सुरुचिपूर्ण चैनल द यश मंगलम शो के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की धरोहरः ए पोएटिक सागा, शिल्पकार, योगा रिट्रीट, सेहत के रखवाले, कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, मैं भारत हूँ..!, पथ प्रदर्शक द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स और वंदे मातरम जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले और युवा शो-बॉय यश मंगलम हैं, जो सिर्फ.16 वर्ष की आयु में ही अपनी दमदार आवाज, आकर्षक व्यक्तित्व और सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी शानदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपने पैर बखूबी जमा रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें बिहार राज्य के गौरवशाली इतिहास और इसके राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 12 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को अपने कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। वरिष्ठ राजनेता श्री राजाराम पांडेय जी की संकल्पना पर आधारित इस फिल्म के प्रोड्यूसर जय कपूर हैं। इसके एसोसिएट प्रोड्यूसर राजीव भार्गव और क्रिएटिव डायरेक्टर सुश्री रत्ना नीलम पांडे हैं। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण पार्श्व संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम और एडिटिंग प्रताप शिंदे द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई ने किया है। बिहार दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है।

इस ऊर्जावान लघु फिल्म का प्रदर्शन म्यूज़ियम, बिहार के अनेक विद्यालयों और पटना के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में किया जाएगा। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियाँ कुछ इस तरह रची गई हैं :- सच बताइये दोस्तों ..! क्या बिहार सिर्फ एक जगह का नाम है ? या फि र एक सोच की शैली या एक अनूठी शक्ति का भंडार... जिसे है सही वक़्त का इन्तजार..! ये राज्य...सिर्फ जमीन नहीं है, ये मेमोरी है...! ये मूवमेंट है...!

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम-केवरा पहन. 12
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमरनाथ देवांगन पिता आ.स्व रामदुलार जाति पनिका निवासी ग्राम केवरा प.ह.न.12 रा.नि.म. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वयं अमरनाथ देवांगन आ. स्व-रामदुलार का जन्म / मृत्यु दिनांक 01/06/1977 को ग्राम.केवरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपना स्वयं अमरनाथ देवांगन का जन्म/मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07/04/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार तहसील
भैयाथान जिला सूरजपुर (छःग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम खैरी प.ह.न. 16
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमित्रा पिता भगवान दास जाति गोंड निवासी ग्राम खैरी प.ह.न. 16. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक स्वयं सुमित्रा का जन्म दिनांक 01/07/1976 को ग्राम खैरी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने स्वयं का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत खैरी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 06/04/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, सभी जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 448/2 रकबा 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। जिस कारण आवेदिका द्वारा लीज अवधि को बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०
रा०मा०क्र०-/ब-121/2025-26
ग्राम... मदनेश्वरपुर प०ह०नं०- उप तह० बरियों
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम मदनेश्वपुर प०ह०नं०- उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैतु टोप्पो आ०/पत्ति.. सुखदेव खलखो जाति उरांव निवासी ग्राम मदनेश्वरपुर तहसील राजपुर जिला बलरामपुर रामानुजगंज द्वारा स्वंय के माता नधियो पति स्व० सुखदेव का मृत्यु दिनांक 25/02/2010 को ग्राम मदनेश्वरपुर घर में हुई है। किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र पेश। उपरोक्त जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वंय, अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक- 01/04/2026 को न्यायलयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अतः आज दिनांक-24/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बरियों जिला बलरामपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०के०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला - खुटेनपारा, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड कमांक- 378/4 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। जिस कारण आवेदिका द्वारा लीज अवधि को बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० ईश्तहार
रा०प्र० के०-/अ-6/2025 26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक आर्यमन सिंह आ० उमेशचन्द्र सिंह, उम्र 29 वर्ष, निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला बौरीपारा तह० अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नंबर 2173/3, 2174/20 रकबा क्रमशः 0.0 1/2, 0.07 3/4 एकड भूमि स्थित है। उपरोक्तानुसार आवेदित भूमि के नजूल अभिलेख में आवेदक का नाम ना०बा० आर्यमन सिंह अंकित है। वर्तमान में आवेदक की उम्र 29 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। अतः आवेदक द्वारा आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेख से अपने नाम के सम्मुख अंकित ना०बा० शब्द को विलोपित किये जाने हेतु आवेदक द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/पत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, मधूर असाटी आ० महेन्द्र असाटी, मिलन असाटी आ० महेन्द्र असाटी, सभी जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके नाम पर मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नंबर-02 नगर अम्बिकापुर में स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक- 456/7, 457/6 रकबा 1277.6 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो रही है। जिस कारण आवेदिका द्वारा लीज अवधि को बढ़ाए जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण माया असाटी पति महेन्द्र असाटी, महेन्द्र असाटी आ० स्व० लालमन प्रसाद असाटी, मधुर असाटी आ० महेन्द्र असाटी, मिलन असाटी आ० महेन्द्र असाटी, जाति वैश्य, निवासी जायसवाल चित्रमंदिर के पीछे केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व एवं अधिपत्य की शीट नंबर-02 मोहल्ला देवीगंज रोड़, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 456/7,457/6 कुल रकबा 1277.6 वर्गफीट भूमि की लीज समाप्ति तिथि 31.03.2026 है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का लीज अवधि बढ़ाये जाने हेतु आवेदन मय मेंटनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 02/04/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 13/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एंबुलेंस कुछ ही घंटों में बना सामान ढोने का वाहन

छ.ग. फ्रंटलाइन बलरामपुर। शासन भले ही गरीबों के स्वास्थ्य के लिए योजनाओं की झड़ी लगा रहा हो और गांव-गांव तक एंबुलेंस जैसी सुविधाएं पहुंचाकर लोगों को समय पर इलाज कराने का दावा कर रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिम्मेदारों की लापरवाही अब खुलकर सामने आने लगी है, जिसने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मंगलवार को विश्व क्षय दिवस के अवसर पर 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान के दूसरे चरण का भव्य शुभारंभ बलरामपुर के ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। कार्यक्रम में बड़े-बड़े दावे किए गए, गांव-गांव जाकर जांच, समय पर उपचार और टीबी मुक्त जिला बनाने की बात कही गई। वहीं निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और ढोल पीटा गया। लेकिन यह दिखावा ज्यादा देर टिक नहीं पाया। कार्यक्रम खत्म होते ही उसी एंबुलेंस का असली चेहरा सामने आ गया। जिस वाहन को मरीजों की सेवा और जीवन बचाने के लिए भेजा गया था, उसे कुछ ही घंटों में सामान ढोने की गाड़ी बना दिया गया। एंबुलेंस नहीं बल्कि कार्यक्रम के बैनर-पोस्टर और सामान लादकर सीएमएचओ कार्यालय पहुंचाया गया। लोगों ने बाकायदा इसका फोटो और वीडियो भी बनाया।

जब जिम्मेदार ही एंबुलेंस का ऐसा दुरुपयोग करेंगे, तो आम जनता को क्या संदेश जाएगा।

यह घटना न सिर्फ स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि यह भी समझा जा सकता है कि कैसे कुछ लापरवाह अधिकारी शासन की योजनाओं को मजाक बनाकर रख दे रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भर्ती में 107 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

अम्बिकापुर। जिला सरगुजा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत विभिन्न रिक्त संविदा पदों की पूर्ति हेतु चयन प्रक्रिया तेजी से जारी है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सरगुजा के मार्गदर्शन में 24 मार्च 2026 को विभिन्न सेवा प्रदाता एवं कार्यक्रम प्रबंधकीय पदों के लिए लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिला आर.ओ.पी. वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत मानव संसाधन पदों हेतु आयोजित इस परीक्षा में कुल 107 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें ए.एन.एम. पद के लिए 17, ओ.टी. टेक्नीशियन के लिए 09, ऑप्थेल्मिक असिस्टेंट के लिए 07, नर्सिंग ऑफिसर एवं स्टाफ नर्स (एसएनसीयू एवं एनबीएसयू) के लिए 66 तथा डेंटल असिस्टेंट के लिए 08 अभ्यर्थी शामिल रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

नारायणपुर बना टीबी मुक्त पंचायत, रजत अवार्ड से हुआ सम्मान

छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिले के पंचायत नारायणपुर ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए खुद को टीबी मुक्त पंचायत' घोषित कराया है। इस उल्लेखनीय सफलता पर पंचायत को 'रजत अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ के.डी. पैकरा के माध्यम से प्रदान किया गया, जिसमें आरएचओ मंजू साहू को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की सतत मेहनत, जागरूकता अभियान और जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों का परिणाम है। ग्राम पंचायत नारायणपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लगातार टीबी मरीजों की पहचान, समय पर जांच और उपचार,

घर-घर सर्वे और जागरूकता अभियान, दवा का नियमित पालन सुनिश्चित करना जैसे कार्य किए गए, जिससे पंचायत को टीबी मुक्त बनाने में सफलता मिली। इस उपलब्धि के पीछे जिला प्रशासन का मजबूत नेतृत्व रहा। कलेक्टर एस जयवर्धन और मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी कपिल देव पैकरा के निर्देशन में स्वास्थ्य अमले ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया। विशेष रूप से आरएचओ मंजू साहू की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने जमीनी स्तर पर लगातार प्रयास कर इस लक्ष्य को हासिल किया। जो साबित करता है कि सही योजना, निरंतर प्रयास और जनभागीदारी से किसी भी गंभीर बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग अब इस मॉडल को जिले की अन्य पंचायतों में लागू करने की तैयारी कर रहा है, ताकि जिला जल्द ही टीबी मुक्त बन सके। नारायणपुर की यह उपलब्धि न केवल स्वास्थ्य विभाग की सफलता है, बल्कि गर्व का विषय है।

केंद्रीय मंत्री के हाथों डीके सोनी को मिला ग्लोरी ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड

छ.ग. फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दिल्ली में मैत्री पीस फाउंडेशन द्वारा के म्यांमार एंबेसी अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया, इंडोनेशिया, फिलीपींस, ब्रुनी, वियतनाम देशों के राजदूतों की उपस्थिति रही।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री राम दास आठवले व म्यांमार के राजदूत ने आरटीआई और पीआईएल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्र तथा समाज को गौरवान्वित करने वाले ग्लोरी एक्सीलेंस अवार्ड-2026 से डॉ. डी.के. सोनी को सम्मानित किया। इसके पहले इन्हें 48 अवार्ड मिल चुका है।

डॉ. डी.के. सोनी एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता के साथ निडर आरटीआई योद्धा और अधिवक्ता हैं, जो पिछले दो दशकों से न्याय, पारदर्शिता और सामाजिक समानता की स्थापना के लिए निरंतर संघर्षरत हैं। उन्होंने 4800 से अधिक आरटीआई आवेदन दायर कर सरकारी प्रणाली में पारदर्शिता लाने का कार्य किया है। इन आवेदनों के आधार पर उन्होंने 18 से अधिक जनहित याचिकाएं दायर की हैं, इनमें सुप्रीम कोर्ट में 3 महत्वपूर्ण मामले भी शामिल हैं।

इनकी विधिक सक्रियता केवल कागजों तक सीमित नहीं रही है। उन्होंने जमीनी स्तर पर आदिवासी समुदायों, गरीब मजदूरों और वंचित तबकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं। इन्होंने बिना फीस लिए सैकड़ों मामलों में गरीबों की न सिर्फ पैरवी की, बल्कि मजदूरी, भूमि अधिकार और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। उनके अथक प्रयासों से अब तक एक करोड़ से अधिक नागरिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो चुके हैं।

इनकी कुछ प्रमुख उपलब्धियों में वन संरक्षण हेतु सरगुजा क्षेत्र में प्रभावी अभियान, मनरेगा योजना में घोटालों को उजागर कर पारदर्शिता स्थापित करना, प्रोटोकॉल घोटाले में फर्जी बिलिंग का पर्दाफाश, विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों, पहाड़ी कोरवा समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करना, भ्रष्टाचार, प्रशासनिक उदासीनता और अवैध भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध मजबूत जन आंदोलन चलाना, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के घोटालों को उजागर कर उन्हें न्यायालय तक पहुंचाना शामिल है। इनका समर्पण केवल सेवा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के प्रति एक जीवंत संकल्प है। व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर, अपने जीवन को सामाजिक परिवर्तन के लिए इन्होंने समर्पित किया है। इनके जीवन के ऊपर एक मूवी हिंदी फ़िल्म भी बन चुकी है फ़िल्म का नाम डीके है, जो कुछ ही दिनों में रिलीज होगी। आम लोगों को यह फ़िल्म देखने को मिलेगा। इनके अप्रतिम योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है।

अवार्ड मिलने से उनके शुभचिंतकों, अधिवक्ताओं और आम लोगों में हर्ष व्याप्त है। डॉ. डी.के. सोनी ने कहा कि यह सम्मान उन्हें जनहित और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कार्य करने की प्रेरणा देता है। भविष्य में वे और अधिक ऊर्जा से ऐसे कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 17 अप्रैल तक

छ.ग. फ्रंटलाइन अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों, आदिवासी उपयोजना क्षेत्र तथा नक्सल पीड़ित/प्रभावित क्षेत्रों में स्थित शालाओं में अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल, इंजीनियरिंग, सीए, सीएस, सीएमए, क्लैट तथा एनडीए की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने हेतु सघन तैयारी करायी जाती है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु राज्य में प्रयास आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए है। उक्त जानकारी देते हुए सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि सत्र 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। जारी सारणी के अनुसार ऑनलाईन आवेदन 17 अप्रैल 2026 (रात्रि 12:00 बजे तक) तक भरे जा सकते हैं। त्रुटि में सुधार 18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 (रात्रि 12:00 बजे तक) तक किया जाएगा। जिला स्तर पर दस्तावेजों का परीक्षण 22 अप्रैल 2026 से 28 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। प्रवेश पत्र डाउनलोड करने तिथि 01 अप्रेल से 09 अप्रैल तक, प्रवेश हेतु प्राक्चयन परीक्षा 10 मई 2026 निर्धारित किया गया है।

आवेदन पत्र एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट *http//eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-Admission-Detail* एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर/ प्रशासकीय अधिकारी प्रयास आवासीय विद्यालय अम्बिकापुर एवं विकास खण्ड अंतर्गत संबंधित समस्त मण्डल संयोजकों से प्राप्त कर सकते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0/अ-20(3)/2025-26

202603021200024.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुदीप सिन्हा आ0 स्व0 अखिलेश सिन्हा, निवासी स्कूल रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर 09 मोहल्ला बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3467/4866/336 रकबा 1021 वर्गफीट भूमि/मकान् स्थित है, को अनावेदक/केता सौरभ कुमार अग्रवाल आ0 श्री पीताम्बर अग्रवाल, निवासी बाजारपारा, प्रतापगढ़, तहसील सीतापुर, जिला सरगुजा के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/04/2026 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

वर्ष प्रतिपदा पर भव्य शोभायात्रा, नगर में दिखा श्रद्धा व उत्साह का संगम

छ.ग. फ्रंटलाइन रामानुजनगर। एकल अभियान अंचल सूरजपुर के तत्वावधान में वर्ष प्रतिपदा के पावन अवसर पर रामानुजनगर (श्रीनगर) भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक-धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल निर्मित हो गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एकल कार्यालय से शोभायात्रा निकालकर की गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पारंपरिक वाद्ययंत्रों, भजन-कीर्तन और जयघोष के बीच शिव मंदिर प्रांगण पहुंची। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित थे तथा पूरे मार्ग में भगवान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। शिव मंदिर परिसर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इसके पश्चात आयोजित सभा में वक्ताओं ने वर्ष प्रतिपदा के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदीप झा (वरिष्ठ समाजसेवी)ने कहा कि वर्ष प्रतिपदा भारतीय नववर्ष का प्रारंभ है, जो नई ऊर्जा, नए संकल्प और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। राजेश कुमार साहू (संगठन प्रभारी अंचल सूरजपुर)ने एकल अभियान के उद्देश्यों एवं समाज में इसकी भूमिका तथा सनातन धर्म पर प्रकाश डालते हुए लोगों से अधिक से अधिक जुड़ने का आह्वान किया। पवन सिंह, (अध्यक्ष जागरण समिति)बीना गुप्ता (महिला समिति)एवं नंदू यादव ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने पर जोर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजनी पाल (अध्यक्ष, श्रीहरि कथा योजना), पवन, मधु जायसवाल सहित, विवेक दुबे, अनूप दुबे, तानसिंह सिंदार, रामनारायण प्रजापति, बोधन प्रजापति, कृष्णा जी एवं अन्य संघ प्रमुख, आचार्य एवं मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश भी दिया। यह आयोजन क्षेत्र में भारतीय परंपरा और संस्कारों को जीवंत बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में सराहा गया।

मुख्यमंत्री सुशासन फैलोशिप से युवाओं को मिलेगा शासन में योगदान का अवसर

प्रत्येक फेलो को प्रति माह 50 हजार रुपये मिलेगी छात्रवृत्ति, 31 मार्च तक करना होगा आवेदन

● कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को पूर्ण रूप से प्रायोजित शिक्षा उपलब्ध होगी?

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा युवाओं को शासन एवं नीति निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री सुशासन फैलोशिप की शुरुआत की गई है। इस महत्वाकांक्षी पहल की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा नवंबर 2024 में की गई थी।

यह फेलोशिप कार्यक्रम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रायपुर एवं छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन एवं अभिसरण विभाग के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य के युवाओं को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, नीति निर्माण एवं क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करना है, जिससे शासन की प्रभावशीलता और दक्षता में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को पूर्ण रूप से प्रायोजित शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें समस्त शिक्षण शुल्क का वहन राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक फेलो को प्रति माह 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम दो वर्षों की अवधि का होगा, जिसमें प्रतिभागियों को कक्षा शिक्षण के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं जिला कलेक्टर कार्यालयों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

फेलोशिप के दौरान प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री के साथ नियमित संवाद का अवसर भी प्राप्त होगा, जिससे वे अपने सुझाव साझा कर सकेंगे और शासन की विभिन्न योजनाओं में प्रत्यक्ष योगदान दे सकेंगे। यह कार्यक्रम युवाओं को सार्वजनिक नीति, शासन परामर्श एवं नेतृत्व से जुड़े क्षेत्रों में करियर निर्माण के लिए सशक्त मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का चयन कैट स्कोर, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। इस फेलोशिप के लिए केवल छत्तीसगढ़ के निवासी पात्र होंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार, आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। इसके पश्चात अभ्यर्थियों के लिए व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) 16 एवं 17 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों का पंजीकरण एवं दस्तावेज सत्यापन 15 जून को संपन्न होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 16 से 20 जून तक तैयारी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जबकि 22 से 24 जून तक उद्घाटन एवं अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित होगा। नियमित कक्षाओं का संचालन 25 जून 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को आधिकारिक पोर्टल पर जाकर 'ऑनलाइन आवेदन करें, विकल्प का चयन करना होगा, तत्पश्चात आवश्यक जानकारी भरकर पंजीकरण पूर्ण करना होगा। अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए अभ्यर्थी अधिकारिक वेबसाइट पर अवलोकन कर सकते हैं।

महूली में गूंजेगी भक्ति की स्वर लहरियां, आज होगा भव्य जगराता

छ.ग. फ्रंटलाइन चांदनी बिहरपुर। क्षेत्र के महूली स्थित आदिशक्ति माँ गढ़वतियां देवी धाम में आज गुरुवार को भव्य जगराता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्ति के साथ उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं, जिससे यह आयोजन यादगार बन सके। धार्मिक आस्था के इस विशेष

अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक पंडित लल्लू राज एवं उनकी टीम द्वारा पूरी रात माता रानी के भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। जगराता कार्यक्रम रात्रि 8 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन स्थल मां गढ़वतियां देवी धाम को आकर्षक रोशनी, फूल-मालाओं और धार्मिक सजावट से भव्य रूप दिया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए बैठने, प्रसाद वितरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। स्थानीय लोगों के अनुसार माँ गढ़वतियां देवी धाम क्षेत्र का प्राचीन एवं चमत्कारी स्थल है, जहां वर्षों से श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पहुंचते हैं। चैत्र नवरात्रि के आसपास यहां विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आयोजनों का महत्व और बढ़ जाता है। आयोजन माँ गढ़वतियां युवा मंच, महूली ने क्षेत्र सहित आसपास के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। समिति ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

150 अभ्यर्थियों ने मानव एनएचएम के संसाधन पद के लिए दी परीक्षा

अम्बिकापुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सरगुजा द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) अंतर्गत रिक्त संविदा पदों की भर्ती प्रक्रिया के तहत आज विभिन्न चरणों में परीक्षा का सफल आयोजन किया गया।

यह भर्ती प्रक्रिया जिला आर.ओ.पी. वर्ष 2025-26 के अंतर्गत स्वीकृत मानव संसाधन (सेवा प्रदाता एवं कार्यक्रम प्रबंधकीय पद) के लिए संचालित की जा रही है। आज आयोजित लिखित परीक्षा, कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार में कुल 150 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। पदवार उपस्थिति के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी हेतु 94, टी.बी.एच.व्ही. हेतु 08, एम.पी.डब्ल्यू. हेतु 18, चतुर्थ वर्ग हेतु 12, कुक कम केयर टेकर हेतु 06, अटेण्डेन्ट हेतु 06 तथा क्लिनर पद हेतु 06 परीक्षार्थियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। विभागीय अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी तथा आगामी सूचनाएं जिले की आधिकारिक वेबसाइट *www.surguja.gov.in* पर समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला व 9 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत

कोरबा छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के कटघोरा थाना अंतर्गत जटगा चैकी क्षेत्र के रावा मुख्य मार्ग पर बीती रात एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा हुआ है। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक महिला और 9 वर्षीय मासूम बच्ची की मौके पर ही वीभत्स मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों के सिर के परखच्चे उड़ गए।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतिकाएं ग्राम बरीउमराव की रहने वाली थीं। वे एक चैथिया बारात (शादी के बाद की रस्म) से वापस अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रावा मुख्य मार्ग पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

चश्मदीदों और शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दुर्घटना के बाद बाइक चला रहा युवक बुरी तरह घबरा गया और गाड़ी छोड़कर मौके से भाग खड़ा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अज्ञात भारी वाहन का पहिया महिला और बच्ची के सिर पर चढ़ गया, जिससे उनका सिर पूरी तरह चकनाचूर हो गया। अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी वाहन चालक मौके से फरार होने में कामयाब रहा। इस घटना के बाद से ग्राम बरीउमराव में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जटगा पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलते ही जटगा चैकी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रात का समय होने के कारण आरोपी वाहन की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी और संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही है।

महोत्सव, माँ कुदुरगढ़ी की कृपा और संस्कृति का जीवंत उत्सव : मंत्री लक्ष्मी

तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव का हुआ रंगारंग समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कुदुरगढ़ महोत्सव 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करते हुए कहा कि यह महोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि माँ कुदुरगढ़ी की कृपा और हमारी संस्कृति, परंपरा एवं लोककला की जीवंत विरासत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से सरगुजा अंचल की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान पूरे प्रदेश के सामने गर्व से उजागर हो रही है। लोककलाकारों और युवा प्रतिभाओं की सराहना करते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि हमारी पारंपरिक कलाएँ और देवी-देवताओं में हमारी अटूट आस्था ही हमारी असली पूँजी है। इसे संजोना और आगे बढ़ाना हम सबकी साझी जिम्मेदारी है।

खेल प्रतिस्पर्धाओं में उमड़ा जोश

महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ खेल प्रतिस्पर्धाओं में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता के साथ-साथ जिला स्तरीय वॉलीबाल और कबड्डी प्रतियोगिता का भी आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से पधारे पहलवानों के दाँव-पेंच और कसी हुई टक्कर दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस प्रतियोगिता को विशेष गरिमा इस बात से मिली कि नेपाल के थापा पहलवान भी कुदुरगढ़ की मिट्टी में अपना जौहर दिखाने पधारे, जिससे आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्राप्त हुआ। खेल कार्यक्रमों के पश्चात मंत्री श्रीमती राजवाड़े मुख्य कार्यक्रम मंच पर पहुँचीं, जहाँ उन्होंने संस्कृति व भक्तिमय प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम में वन विकास निगम एवं कुदुरगढ़ ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, कुदुरगढ़ ट्रस्ट के सदस्य तथा जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बॉलीवुड गायिका सीर्ली सेटिया की प्रस्तुति ने बांधा समा

महोत्सव के समापन पर बुधवार को सांस्कृतिक मंच की भक्ति, लोककला और बॉलीवुड के रंगों से सराबोर रहा। करमा नृत्य और स्थानीय छात्र छात्राओं के मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम का आगाज हुआ, जिसने उपस्थित दर्शकों को शुरुआत से ही समारोह से जोड़ लिया।इसके पश्चात अनमोल किरण लोक कलामंच की किरण कुशवाहा ने भक्तिमय गीतों की ऐसी प्रस्तुति दी कि पूरा परिसर आस्था के रंग में रंग गया। शीतल यादव ने भी अपने सुमधुर स्वरों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। म्युजिकल ग्रुप की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं लोककला मंच ने भक्तिगीतों से रंगारंग कार्यक्रम को और ऊँचाई प्रदान की। सरगुजा अंचल के चर्चित लोकगायक सुनिल मानिकपुरी ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए, जिन्होंने उपस्थितजनों को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम का सबसे भव्य पल तब आया जब बॉलीवुड की सुप्रसिद्ध गायिका सीर्ली सेटिया मंच पर आईं। उन्होंने एक के बाद एक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी और दर्शकों को केवल सुनाया ही नहीं, बल्कि अपनी संगीत यात्रा का हिस्सा भी बना लिया। देर रात तक तालियों की गड़गड़ाहट और दर्शकों का उत्साह से सांस्कृतिक संध्या सराबोर रही।

सेल्फी जोन बना आकर्षण का केंद्र

महोत्सव के खेल मैदान पर इस बार एक नया और अनूठा आकर्षण सेल्फी जोन के रूप में दिखा। यह सेल्फी जोन खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए समान रूप से लोकप्रिय साबित हो रहा है। प्रत्येक मैच से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ी यहाँ फोटो सेशन करते हैं, जो महोत्सव की एक नई परंपरा बन चुकी है। इस सेल्फी जोन की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि खिलाड़ी यहाँ "खूब खेलबो, नशा ले दूर रहबो" की तख्ती थामकर फोटो खिंचवाते हैं और नशे से दूर रहने का संदेश समाज तक पहुँचाते हैं। खेल के मैदान से उठती यह सामाजिक आवाज़ महोत्सव को केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि जन-जागरूकता का मंच भी बना रही है।खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शक भी अपने परिवार के साथ सेल्फी जोन में पहुँच रहे हैं और यादगार तस्वीरें ले रहे।

हर मोर्चे पर विफल है प्रदेश सरकार, विधानसभा चुनाव में होगा बड़ा बदलाव : बैज

गांव चलो अभियान के तहत सूरजपुर पहुंचे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में जोश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज सरगुजा अंचल के दौरे में सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभाओं में बूथ कमेटियों की बैठक लेने और संगठनात्मक मजबूती के लिए गांव चलो अभियान केतहत सूरजपुर पहुंचे । जहां जिला कांग्रेस कमेटी की अगुवाई में प्रतापपुर, भटगांव व प्रेमनगर विधानससभा के विभिन्न कार्यक्रमों व स्वागत समारोह में श्री बैज ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 42 हजार कमेटियों का गठन किया जा रहा है, जो कांग्रेस को धरातल पर मजबूत करेगी। बूथ, पंचायत व मंडल कमेटियों के माध्यम से पार्टी की विधाराधारा को आमजनों तक पहॅुचाने और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति के साथ बूथ स्तर पर पार्टी के कार्यों को देखने के लिए वे प्रदेश के दौरे पर है। उन्होंने यहां साधुराम सेवाकुंज में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर विफल है। जनता के मन में बदलाव की अभिलाषा है और आने वाले विधानसभा चुनाव में बड़ा बदलाव होगा। उन्होंने पार्टी की रीति व नीति के साथ संगठन सृजन अभियान की बातें रखी और जिलाध्यक्ष शशि सिंह की जमकर तारीफ की और कहा कि जुझारू आदिवासी नेत्री है, जिले में शशि मजबूत होगी तो पार्टी मजबूत होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जागरूक करते हुए कहा कि शशि और पार्टी को मजबूत करें और ताकत दें। उन्होंने गांव चलो अभियान के संदर्भ में अवगत कराते हुए पार्टी की विचारधारा के साथ में पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए पार्टी के कार्यों को गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहॅुचाने के साथ संगठन की

मजबूती और कार्यों पर फोकस किया। इसके पूर्व जिले के कल्याणपुर, पंपापुर, प्रतापपुर, खोरमा, भटगांव, बरपारा, बिश्रामपुर, तिलसिवां व सूरजपुर में श्री बैज का पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशी स्वागत किया। जिला मुख्यालय के मुख्य कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, डॉ. प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक पारसनाथ राजवाड़े, भानुप्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष विन्ध्येश्वर शरण सिंहदेव, सरगुजा रेड क्रॉस के चेयरमेन आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, श्रम आयोग के पूर्व अध्यक्ष सफी अहमद, संगठन प्रभारी मनोज गुप्ता, वरिष्ठ नेता सुभाष गोयल, युवा नेता दानिश रफीक सहित बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला कांग्रेस की ओर से अध्यक्ष शशि सिंह, महामंत्री संजय डोसी, जी.एस. मिश्रा, इस्माईल खान, नवीन जायसवाल, मेंहदी यादव, नरेन्द्र जैन, संजीव श्रीवास्तव, विद्यासागर सिंह, अनिल गुप्ता, त्रिभुवन सिंह टेकाम, जगतलाल आयाम, रामकुमार बंछोर, वेद मिश्रा, इम्तियाज जफर, अभिषेक श्रीवास्तव, जरीना सुल्ताना, आनंद कुंवर,बबीता गुप्ता, संतोष पावले, परमेश्वर राजवाड़े, विक्की समददार, अविनाश साहू सहित ब्लाक अध्यक्षों व पदाधिकारियों ने श्री बैज व अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यक्रम का सफल संचालन सुनील अग्रवाल व आभार प्रदर्शन संजय डोसी ने किया।

भेंट किया गया तीर-धनुष

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समुदाय की ओर से रामकुमार बंछोर व संतोष पावले के नेतृत्व में आदिवासी समाज व आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने अपनी परंपरा के अनुरूप प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को तीर-धनुष व पीला गमछा भेट कर आदिवासी अस्मिता के रूप में उनका स्वागत किया और जिले में प्रथम आगमन पर श्री बैज का अभिनंदन किया।

वरिष्ठ नेताओं की अनुपस्थिति से गुटबाजी को मिली हवा

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रदेश अध्यक्ष के अधिकारिक सांगठनिक दौरे में पूर्व जिलाध्यक्ष भगवती राजवाड़े, पूर्व विधायक खेलसाय सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरेश राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े व समुह विशेष के समर्थकों की सेवाकुंज के कार्यक्रम में अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। वहीं उक्त सभी नेतागण श्री बैज से मिलने न्यू सर्किट हाउस पहुचे और बंद कमरे में प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात की। श्री बैज ने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई मनमुटाव है तो पार्टी फोरम में बात रखें। सार्वजनिक व सोशल मीडिया में हवा देने का मामला गलत व विधि विपरित है। विदित हो कि शशि सिंह के जिलाध्यक्ष बनने के बाद लगातार कुछ नेताओं की आयोजन, बैठक, धरना प्रदर्शन में अनुपस्थिति को भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गंभीरता से लिया है और जिला कांग्रेस कमेटी के आयोजन व बैठको की उपस्थिति पंजी का बारीकी से अवलोकन किया।

रायपुर जिले में स्कूल खुलने का समय बदला

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तेज धूप और गर्मी को देखते हुए रायपुर जिले में भी स्कूल का समय बदल दिया गया है। जिले के समस्त शासकीय और निजी स्कूल अब सुबह 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 बजे तक संचालित होंगे। परीक्षा और कार्यालयीन समय यथावत रहेगा। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण कई जिलों में स्कूल का समय बदल गया है। मंगलवार को रायपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ने भी गर्मी को देखते हुए स्कूल का समय बदलने का आदेश जारी किया। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय द्वारा जारी आदेश के अनुसार रायपुर जिले के समस्त शासकीय और अशासकीय स्कूल एक पाली वाले सोमवार से शनिवार तक प्रातः 7.30 बजे से पूर्वान्ह 11.30 तक संचालित होंगे। इसी तरह ऐसे स्कूल जो दो पाली में संचालित हो रहे हैं, वहां प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक स्कूल सुबह 7.30 बजे से 11.30 बजे तथा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों का संचालन पूर्वान्ह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक होगा। परीक्षा और कार्यालयीन समय में किसा प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। यह आदेश 20 मार्च से प्रभावशील होगा। बता दें कि इन दिनों कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षा चल रही है। इसके बाद स्थानीय कक्षाओं पहली, दूसरी, तीसरी, चौथी, छठवीं, सातवीं और 9वीं-11वीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

बाघ-तेंदुए की खाल के साथ बड़े शिकार गिरोह का भंडाफोड़, संयुक्त टीम की घेराबंदी में 6 से अधिक आरोपी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्य वन संरक्षक श्री आलोक कुमार तिवारी के निर्देशन एवं वनमण्डलाधिकारी श्री रंगनाधा रामाकृष्णा वाय के मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा जिले में वन्यजीव अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए बाघ एवं तेंदुए की खाल के साथ सक्रिय एक संगठित शिकार गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। दंतेवाड़ा से बालूद मार्ग पर दो आरोपियों को बाघ की खाल के साथ पकड़ा गया। सघन पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी मिली, जिसके आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया तथा बाघ एवं तेंदुए की खाल बरामद की गई।

मध्य रात्रि में मुखबिर की सूचना पर वनमंडल दंतेवाड़ा, वनमंडल बीजापुर, इंद्रावती टाइगर रिजर्व, राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में मुख्य आरोपी लक्ष्मण तेलाम (उम्र 51 वर्ष) सहित देवीराम ओयाम (58 वर्ष), रमेश कुड़ियाम (24 वर्ष), फरसोन पोयामी (27 वर्ष), सेमला रमेश (24 वर्ष), सुखराम पोडियाम (21 वर्ष) एवं अन्य आरोपियों के नाम सामने आए, जिन्हें गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों की निशानदेही पर वन विभाग की विशेष टीम द्वारा ग्राम केशापुर में छापेमारी कर एक और तेंदुए की खाल बरामद की गई। इस कार्रवाई में शामिल अन्य आरोपी मासो ओयाम (50 वर्ष) एवं अर्जुन भोगामी (42 वर्ष) को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया गया। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि जब्त किए गए बाघ एवं तेंदुआ अनुसूची-I के अंतर्गत संरक्षित वन्यजीव हैं। सभी आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9, 39(1)(घ), 3(क) (ख) (ग), 48 एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत प्रकरण क्रमांक 15452/25 दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई है।

वनमण्डलाधिकारी श्री रंगनाधा रामाकृष्णा वाय ने स्पष्ट कहा कि वन्यजीवों के अवैध शिकार एवं तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि वन एवं पर्यावरण से जुड़े किसी भी प्रकार के अपराधों के विरुद्ध वन विभाग पूरी सख्ती और तत्परता के साथ कार्रवाई कर रहा है और आगे भी करता रहेगा। ऐसे मामलों में दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वन्यजीव संरक्षण को और अधिक मजबूत किया जा सके तथा भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाया जा सके।

शराब पीने के दौरान 4 छात्राओं को दौड़ाकर छेड़ा, दो आरोपियों को 3-3 वर्ष की हुई सजा

कोरबा, छ.ग. फ्रंटलाइन। सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने के दौरान रास्ते से गुजर रही छात्राओं को दौड़ा कर छेड़छाड़ व अश्लील हरकतें करने वाले दो आरोपियों को न्यायालय ने कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है।

घटना दिनाँक 2 जुलाई 2025 की शाम करीब 4.30 बजे प्रार्थिया स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपनी दो पुत्रियों व उनकी दो सहेलियों के साथ घर लौट रही थी। इस दौरान पूर्वांचल भवन के पास शराब पी रहे रोशन दास महन्त व जावेद कुरैशी ने इन चारों छात्राओं पर गलत नीयत डाली और इन्हें दौड़ाया तथा पकड़कर कर अश्लील हरकतों को अंजाम दिया। स्थानीय युवक ने इन पीड़ितों को बचाया। मामले में मानिकपुर चैकी में आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने मामला विचारण हेतु न्यायालय में प्रस्तुत किया। उभयपक्षों की दलीलों को सुनने के उपरांत सजा सुनाई गई। विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी रोशन दास महन्त पिता झाड़ूदास निवासी आरामशीन एवं जावेद कुरैशी पिता उस्मान कुरैशी निवासी कुआंभट्ठा,कोरबा को दोषसिद्ध पाया गया। विशेष न्यायालय (पॉक्सो एक्ट) एवं अपर सत्र न्यायाधीश सीमा प्रताप चन्द्रा ने रोशन दास को 3 धाराओं में दोषी पाया जबकि जावेद को दो धाराओं में दोषी पाते हुए सभी धाराओं में 3-3 वर्ष के कठोर कारावास,500-500 रुपये अर्थदण्ड और इसके व्यतिक्रम में 3-3 माह की सजा से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने शासन की ओर से मजबूत पैरवी की जिससे आरोपियों पर दोष सिद्ध हुआ।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

श्रीराम सेना ने चैत्र नवरात्रि पर शहर में निकली भव्य शोभायात्रा

शिव तांडव रहा आकर्षण का केंद्र, दुर्गा मंदिर से महामाया मंदिर तक रहा भक्तिमय माहौल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। चैत्र नवरात्रि के मौके पर सप्तमी तिथि को श्रीराम सेना द्वारा शहर में भगवान श्रीराम की विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शिव तांडव व विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा शहर के दुर्गा मंदिर के पास से निकली और महामाया मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में युवक-युवतियां व श्रीराम सेना के लोग डीजे व बैंड-बाजा की धुन में नाचते-गाते शामिल हुए।

श्रीराम सेना द्वारा चैत्र नवरात्र के मौके पर शाम 5 बजे से शहर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शहर में गांधी चौक से महामाया मंदिर तक भगवा रंग के कपड़ों व ध्वजा से आकर्षक रूप से सज्जा की गई थी। श्रीराम सेना द्वारा एक माह से इसकी तैयारी की जा रही थी। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। डीजे, ढोल व नगाड़ों की धुन में लोग भक्तिमय गीतों पर थिरकते रहे। शोभायात्रा गांधी चौक से घड़ी चौक, देवीगंज रोड, महामाया चौक, महामाया गेट होते हुए महामाया मंदिर में पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के दौरान जय श्रीराम व महामाया माता की जय के नारे लगते रहे। शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया। श्रीराम सेना के पदाधिकारियों ने बताया कि शोभायात्रा की तैयारी एक माह पूर्व से ही शुरु कर दी गई थी। नवरात्र में इसे मूर्त रूप दिया गया। नवरात्र की सप्तमी तिथि को शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में श्रीराम व हनुमान की विशाल काय प्रतिमा आकर्षक का केन्द्र रही। शोभायात्रा में शिव तांडव का प्रदर्शन लोगों को मोहित किया। वहीं भगवान शिव की विशाल प्रतिमा ने भी लोगों को आकर्षित किया। इसके अलावा अयोध्या में विराजित भगवान श्रीराम जैसी जीवंत प्रतिमा ने भी लोगों का मन मोह लिया। एक बालिका माता के स्वरूप में नजर आई।

मांड व मैनी नदी क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर कार्रवाई, 22 वाहन जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए मांड एवं मैनी नदी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई। 24 मार्च 2026 को चलाए गए सघन जांच अभियान के तहत बतौली एवं सीतापुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम केसला, भिठुआ, राधापुर, मंगरैलगढ़, नवाटोली, काराबेल एवं प्रतापगढ़ में छापेमारी की गई। कार्रवाई दौरान कुल 22 वाहनों को जब्त किया गया, जिसमें रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 14 ट्रैक्टर एवं 01 हाईवा तथा गिट्टी एवं ईंट के अवैध परिवहन में संलिप्त 06 हाईवा एवं 01 टीपर शामिल हैं। जब्त सभी वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से सीतापुर, बतौली एवं रघुनाथपुर थानों की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है।

खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू ने बताया कि प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(4), 21(5) एवं 23 के अंतर्गत कठोर अर्थदंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई में खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू के नेतृत्व में खनिज विभाग से सुरेश सिंह ठाकुर (सुपरवाइजर), पंकज कुमार, मंजीत मांझी, राजेश कुमार, नगर सैनिकों एवं राजस्व विभाग के अमले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टर ने नगर पालिक निगम के विकास कार्यों का किया निरीक्षण

निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और जल प्रदाय व्यवस्था को समय-सीमा में पूर्ण करें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को नगर पालिक निगम अंबिकापुर क्षेत्र अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माणाधीन विकास कार्यों, सड़क डामरीकरण और स्वच्छता केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखने और परियोजनाओं को जनहित में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अपने भ्रमण की शुरुआत शिवधारी कॉलोनी में चल रहे सड़क डामरीकरण कार्य के अवलोकन से की। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता को परखते हुए निर्देश दिया कि सड़क के दोनों ओर व्यवस्थित 'साइड सोल्डर' का निर्माण

अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि यातायात सुगम और सुरक्षित हो सके। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप, निगम के कार्यपालन अभियंता सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और जल पुनरुपयोग

शहर के जल शोधन तंत्र को मजबूत करने के लिए शंकर घाट (16 एमएलडी) एवं सैनिटरी पार्क (14 एमएलडी) में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एसटीपी के पूर्ण होने के पश्चात प्राप्त होने वाले उपचारित जल के पुनरुपयोग हेतु अभी से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे आमजनों को इसका लाभ मिले।

जलागार निर्माण से दूर होगा जल संकट

पुराने बस स्टैंड डिपो परिसर में 10 लाख लीटर क्षमता के निर्माणाधीन उच्च स्तरीय जलागार (पानी टंकी) के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रस्तावित वितरण क्षेत्र की समीक्षा की। इस पानी टंकी के पूर्ण होने से शहर के जल संकट ग्रस्त क्षेत्रों जैसे राम मंदिर एरिया, ब्रह्मपारा, कुंडला सिटी और केंद्रीय जेल क्षेत्र में जल प्रदाय की व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

एसएलआरएम और डिजिटल वेस्ट मैनेजमेंट

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा हेतु कलेक्टर डीसी रोड स्थित एसएलआरएम केंद्र पहुंचे। यहां उन्होंने स्वच्छता दीदियों से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, प्रोसेसिंग और यूजर चार्ज वसूली के संबंध में जानकारी ली। साथ ही स्वच्छता दीदियों की नियमित स्वास्थ्य जांच और हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्लास्टिक प्रोसेसिंग भिट्ठीकला स्थित प्लांट में प्लास्टिक दाना निर्माण और नॉन-रिसाइक्लेबल प्लास्टिक को सीमेंट प्लांट भेजने की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने वेस्ट मैनेजमेंट की संपूर्ण प्रक्रिया को डिजिटाइजेशन करने और इसके लिए एक 'कमांड कंट्रोल सेंटर' बनाने हेतु तत्काल डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए।

शासकीय भूमि नामांतरण में मामले में सहायक ग्रेड-02 पर कार्रवाई

वेतन मैट्रिक्स के न्यूनतम लेबल पर पदावनत करने की दीर्घ शास्ति की गई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला प्रशासन द्वारा शासकीय कार्यों में गंभीर अनियमितता और पद के दुरुपयोग के मामले में सहायक ग्रेड-02 अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध दीर्घ शास्ति अधिरोपित करने की कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार, अजय कुमार तिवारी जिला कार्यालय के नजूल शाखा में पदस्थ रहते हुए ग्राम नमनाकला, तहसील अंबिकापुर स्थित खसरा क्रमांक 243/1 की 1.710 हेक्टेयर शासकीय भूमि के नामांतरण में निर्धारित नियमों का पालन नहीं करते हुए विधि विरुद्ध तरीके से नामांतरण करने में संलिप्त पाए गए। इस संबंध में देहात थाना गांधीनगर में भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 420, 467, 468, 471 एवं 120-बी के तहत 11 मार्च 2024 को अपराध पंजीबद्ध किया गया था। इसके अतिरिक्त, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धौरपुर द्वारा अवगत कराया गया कि अजय तिवारी 12 मार्च 2024 से बिना अनुमति के लगातार कर्तव्य से अनुपस्थित रहे। उक्त कृत्य के परिप्रेक्ष्य में उन्हें निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय उदयपुर नियत किया गया था। प्रकरण में विभागीय जांच संस्थित की गई, जिसमें जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में अजय कुमार तिवारी के विरुद्ध लगाए गए आरोप प्रमाणित पाए गए। उनका यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 03 एवं 07 के विपरीत पाया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए अजय कुमार तिवारी (निलंबित), सहायक ग्रेड-02 पर दीर्घ शास्ति अधिरोपित करते हुए, पदावनत करते हुए, उन्हें वर्तमान में प्राप्त हो रहे वेतन मैट्रिक्स के न्यूनतम लेबल पर पदावनत करने का दीर्घ शास्ति से अधिरोपित किया गया है।

अवैध महुआ व अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। थाना सूरजपुर अंतर्गत बसदेई चौकी पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से महुआ शराब, अंग्रेजी शराब और नकद रकम जब्त किया है। बरामद शराब की कीमत लगभग 3820 रुपये आंकी गई है।

जानकारी के मुताबिक, 24 मार्च को बसदेई चौकी पुलिस टीम ग्राम बसदेई से चौपन होते हुए ग्राम कुसमुसी की ओर गश्त पर गई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कुसमुसी निवासी मिट्ठू राम पैकरा अपने घर में अवैध रूप से महुआ शराब बनाकर और अंग्रेजी शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी करके आरोपी मिट्ठू राम पैकरा से पूछताछ की तो उसने अवैध शराब बिक्री करना स्वीकार किया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से लगभग 15 लीटर महुआ शराब, अंग्रेजी शराब स्पेशल व्हिस्की 12 नग (180 एमएल), गोल्डन गोवा 750 एमएल, बिक्री की नकद राशि 150 रुपये जब्त किया। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध शराब निर्माण या बिक्री की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि इस तरह के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से युवक और जंगली जानवर की गई जान

छ.ग.फ्रंटलाइन मैनपाट। सरगुजा जिला के मैनपाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मड़वासराई में अवैध रूप से बिछाए गए बिजली करंट की चपेट में आने से एक युवक और जंगली जानवर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक मिश्रा यादव मैनपाट की ओर जा रहा था, इसी दौरान जंगल के रास्ते में बिछाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। बताया जा रहा है कि करंट प्रवाहित तार जंगली जानवरों का शिकार करने के उद्देश्य से लगाया गया था, जो जानवर के साथ ही इंसान की भी जान ले लिया। घटना के बाद जंगल में अवैध शिकार के लिए खतरनाक करंट प्रवाहित तारों का जाल बिछाने की बातें भी हो रही हैं। प्रारंभिक जानकारी में तार में हाई वोल्ट करंट प्रवाहित किए जाने की आशंका जताई जा रही है। सवाल यह उठ रहा है

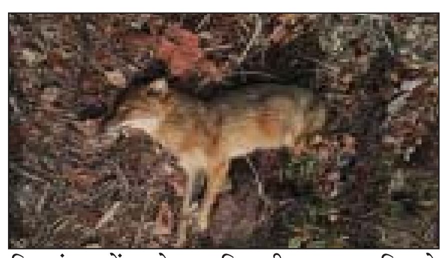

कि जंगल में खुलेआम बिजली का जाल बिछाने वाला कौन है, जिसके कारण युवक व जंगली जानवर ने दम तोड़ दिया? वहीं वन विभाग को जंगलों और जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए तमाम एहतियात बरतने के बाद भी करंट प्रवाहित तार को खतरनाक तरीके से लगाने की भनक नहीं लगना समझ से परे है। घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

वन्य जीवों की सुरक्षा सवालों के घेरे में, कुत्तों के हमले में कोटरी की गई जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर से लगे ग्राम खैरबार, बांकी डैम मार्ग के पनिका पारा में आवारा कुत्तों के हमले में चीतल प्रजाति के वन्य जीव 'कोटरी' की मौत हो गई। चिंताजनक बात यह है कि पखवाड़े भर के भीतर इसी स्थान पर कुत्तों के द्वारा वन्य

जीव पर हमले की यह दूसरी घटना है, जो वन विभाग की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ले रहा है। जानकारी के मुताबिक, जंगल से भटककर एक कोटरी खैरबार गांव के समीप पनिका पारा इलाके में पहुंच गई थी। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में गंभीर रूप से घायल कोटरी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि करीब पखवाड़े भर पहले भी इसी जगह पर आवारा कुत्तों ने एक बड़े हिरण पर हमला कर दिया था, जिसे ग्रामीणों ने बचाया था और वन अमले के सुपुर्द कर दिया था। इस हिरण को संजय वन वाटिका में रखा गया था। बताया जा रहा है कि तीन दिन पूर्व संजय वन वाटिका में आवारा कुत्तों के हमले में जिन 15 हिरणों की मौत हुई थी, उनमें यह हिरण भी शामिल था, जिसे ग्रामीणों ने कुत्तों से बचाकर वन विभाग के सुपुर्द किया था। बहरहाल वन वाटिका में हुई घटना की उच्चस्तरीय जांच जारी है। इधर घटना के बाद वन विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। वन्य जीव पर शहर से लगे खैरबार इलाके में हमले की लगातार दूसरी घटना सामने आने के बाद वन विभाग भले चिंतित न हो, लेकिन इलाके के लोग दहशत और चिंता में हैं। इसके पीछे कारण वन्य जीवों के गांव के समीप पहुंचने से आवारा कुत्तों का लगातार आक्रामक रूख होना है, जो बच्चों और पालतू मवेशियों के लिए भी आने वाले समय में खतरे का कारक बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर से लगे जंगल क्षेत्रों में वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं, इसका खामियाजा बेजुबान जानवरों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने वन विभाग से इस दिशा में तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

महिला उत्पीड़न के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया, पूर्व में भी दर्ज हो चुका है अपराध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला उत्पीड़न के मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीड़िता को लगातार प्रताड़ित कर रहा था, जिस पर पुलिस ने पूर्व में भी अपराध पंजीबद्ध किया था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 02 मोबाइल एवं सिम जप्त किया गया है।

जानकारी के मुताबिक युवती ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि चोपड़ा कॉलोनी विश्रामपुर, जिला सूरजपुर निवासी अमन कुमार सिंह पिछले तीन वर्ष से उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा है। वह पूर्व में अमन कुमार सिंह के विरूद्ध थाना गंज जिला रायपुर एवं थाना गांधीनगर में अपराध दर्ज कराई थी। इन अपराधों में जमानत प्राप्त करने के

बाद अमन उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था। युवती ने आते-जाते समय रास्ता रोककर गाली-गलौज करने, कॉल करके केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने धमकी देने व उसके नाम से बनाए गए फर्जी और अपने नाम से बनाए ईमेल आईडी के माध्यम से आपत्तिजनक फोटो भेजकर धमकी देने जैसे आरोप लगाए गए थे। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। विवेचना दौरान पुलिस टीम ने प्रकरण के आरोपी अमन कुमार सिंह पिता विजय कुमार 26 वर्ष, निवासी चोपड़ा कॉलोनी थाना विश्रामपुर से घटना के संबंध में पूछताछ किया तो उसकी घटना में संलिप्तता पाई गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक अमृत सिंह, अतुल सिंह, अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में 15 दिवसीय मूल्य संवर्धन कार्यशाला संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में समग्र व्यक्तित्व निर्माण विषय पर आयोजित 15 दिवसीय मूल्य संवर्धन कार्यशाला का समापन 25 मार्च को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के केंद्रीय प्रतिनिधि युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक केदार प्रसाद दुबे रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा हमारे वर्तमान एवं भविष्य युवा ही हैं। अपना विकास करना ही व्यक्तित्व विकास करना है। उन्होंने कहा भारत एक ऐसा देश है जहां समृद्धि से भरा हुआ वातावरण है, हमें हमेशा अपने सभ्यता को साथ रखना है। सभ्यता को बचाए रखने वाला देश हमारा भारत ही है, जो सभ्यता को विकास की ओर ले जाता है। हमें किसी से दिखावा नहीं करना है, सभी से प्रेम

करना है, सभी को सकारात्मक ऊर्जा देना है। उन्होंने कहा मनुष्य में दिव्य ऊर्जा होती है, हमें उससे पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा व्यक्तित्व विकास का अर्थ अपने अंदर सकारात्मक गुणों का समावेश करना और दूसरों की सहायता करना है। हमें सकारात्मक सोच रखनी चाहिए, हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना चाहिए, और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। आत्मविश्वास व्यक्तित्व विकास की सबसे बड़ी ताकत है। जब हमें खुद पर विश्वास होता है, तो हम किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। अंत में उन्होंने कहा हमें प्रतिदिन कुछ नया सीखने, अपनी कमियों को सुधारने और अपने अंदर छिपी क्षमताओं को पहचानने का प्रयास करना चाहिए।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरींपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर